WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

सोनू सूद से लड़की ने दिल्ली पुलिस की कोचिंग के लिए मांगी मदद

वर्षः 01 अंक : 276 | लखनऊ, शुक्रवार, 25 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना के सक्रिय मामलों में लगातार कमी

मरीजों की संख्या 9.66 लाख

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले गत छह दिन से लगातार कम हो रहे हैं और पिछले 24 घंटों के दौरान इन मामलों में 1,995 की कमी दर्ज की गयी जिससे मरीजों की कुल संख्या 9,66,382 रह गयी। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 86,508 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की कुल संख्या 57,32,519 पर पहुंच गयी है। इसी अवधि में 87,374 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसके साथ ही अब तक कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 46,74,988 हो गयी है। संक्रमण के नये मामलों की

तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामलों की संख्या में 1,995 की कमी आयी है। सक्रिय मामले शनिवार को 3790, रविवार को 3140, सोमवार को 7525, मंगलवार को 27,438 और बुधवार को 7,484 कम हुए थे। छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक 2,348 और त्रिपुरा में सबसे कम 48 सक्रिय मामले घटे हैं। इसी अवधि में 1,129 मरीजों की मौत हो गयी जिससे संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 91,149 पर पहंच गयी है। देश में सक्रिय मामले 16.86 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.59 फीसदी रह गये हैं जबकि, रोगमुक्त होने वालों की दर 81.55 प्रतिशत हो गयी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 1,074 बढ़कर 2,73,883 हो गये हैं जबकि 479 लोगों की और मौत होने से मृतकों की संख्या 33,886 हो गयी है। इस दौरान 19,476 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 9,56,030 हो गयी। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या में 1,499 की वृद्धि हुई है और राज्य में अब 94,671 सक्रिय मामले हैं। राज्य में मरने वालों का आंकड़ा 8,266 पर पहुंच गया है तथा अब तक 4,37,910 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में इस दौरान मरीजों की संख्या 1,108 कम होने से सक्रिय मामले 70,357 रह गये। राज्य में अब तक 5506 लोगों की मौत हुई है। वहीं कुल 5,70,667 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

भारत में 86 प्रतिशत मेडिकल उपकरण आयातित

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में 86 प्रतिशत मेडिकल उपकरण और मशीन आयात किये जाते हैं और केंद्र सरकार ने देश को इस दिशा में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य के साथ कई योजनाएं शुरु की हैं। ऐसी ही एक योजना, राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत देश के पांच राज्यों में मेडिकल उपकरण विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए 148.79 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने बुधवार को लोकसभा में एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए यह ब्योरा दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन के तहत मेडिकल उपकरणों के विनिर्माण और उनकी जांच के लिए आधारभूत ढांचा निर्माण के लिए 148.79 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। इसके तहत आंध्रप्रदेश को 83.20 करोड़ रुपये , तेलंगाना को 22.71 करोड़ रुपये, उत्तर प्रदेश को 19.09 करोड़ रुपये, कर्नाटक को 12.70 करोड़ रुपये तथा महाराष्ट्र को 11.09 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। श्री चौबे ने बताया कि जिन मेडिकल उपकरणों का आयात किया जाता है।

गरीबों का शोषण, 'मित्रों' का पोषण यही है बस मोदी जी का शासनः राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बारघ् फिर अपनी भड़ास निकाली है। श्रम सुधार विधेयकों को राज्यसभा में मंजूरी मिलने के बाद उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि किसानों के बाद मजदूरों पर वार किया जा रहा है। राहुल गांधी ने वीरवार को ट्वीट कर लिखा कि किसानों के बाद मजदूरों पर वार। गरीबों का शोषण, 'मित्रों' का पोषण यही है बस मोदी जी का शासन। दरअसल विपक्षी सांसदो के राज्यसभा की कार्यवाही का बहिष्कार करने के बावजूद बुधवार को श्रम कानूनों से जुड़े तीन विधेयकों (राज्यसभा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य की स्थिति कोड 2020, औद्योगिक संबंध कोड 2020 और सामाजिक सुरक्षा पर कोड, 2020) को पारित कर दिया गया है। राज्यसभा में 8 सांसदों के निलंबन पर भी राहुल गांधी ने सरकार पर तंज कसा था। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा था कि डेमोक्रेटिक इंडिया की आवाज दबाना जारी है, पहले उन्हें चुप कराया गया और बाद में काले कृषि कानूनों को लेकर किसानों की चिंताओं की तरफ से मुंह फेरकर संसद में सांसदों को निलंबित किया गया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा

दिल्ली में कोविड-19 का दूसरा वेव चरम पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में लगातार कोरोना संक्रमण के मामलों में आ रही तेजी ने जहां दिल्लीवालों की बेचैनी बढ़ाकर रख दी है तो वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली में कोविड-19 का दूसरा वेव चरम पर है। उन्होंने यह भी कहा कि जानकार मानते हैं कि आने वाले दिनों में कोरोना के मामलों में कमी आएगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री का समाचार एजेंसी ने हवाला दिया है, जिसमें वह कह रहे हैं- जुलाई 1 से लेकर 17 अगस्त तक केस नियंत्रण में था। हमने यह पाया कि कोरोना के मामले बढ़े और यह 17 सितंबर को बढ़कर 4500 नए कोविड-19 पर पहुंच गए और अब इसमें कमी हो रही है। इसलिए, जानकारों का यह मानना है कि दिल्ली में कोरोना वायरस का दूसरा झटका चरम पर है और यह आने वाले दिनों में कम होगा। केजरीवाल ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में रोजाना के कोविड-19 सैंपल टेस्टिंग बढ़ाकर 20 हजार से अब 60 हजार हो चुकी है। उन्होंने कहा कि जब कोरोना के बड़ी संख्या में मामले आए उस वक्त हमने केन्द्र सरकार, एनजीओ और दिल्लीवालों की मदद से कोरोना के केस पर काबू पाया। मैं उन सभी के प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। कोविड-19 प्रबंधन को लेकर प्रधानमंत्री के साथ हाई लेवल समीक्षा बैठक के बारे में बोलते हुए केजरीवाल ने कहा कि यह फलदायक रहा। राज्य के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को दिल्ली में कुल मामले 2 लाख 56 हजार 789 मामले। इनमें 2 लाख 20 हजार 866 लोग कोरोना से ठीक हो चुके थे जबकि 5 हजार 87 की मौत हो चुकी है। अगस्त के आखिरी हफ्ते में दिल्ली में कोरोना के केस में भारी उछाल देखने को मिला।

दिल्ली में टूटा 16 साल का रिकॉर्ड, सितंबर महीने में हुई सबसे कम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली में सितंबर में 21 मिलीमीटर से भी कम बारिश हुई जो कि 16 साल में इस महीने में हुई सबसे कम बारिश है। आईएमडी के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली में मानसून की अंतिम बारिश हो चुकी है और अब बारिश होने की उम्मीद नहीं के बरा है। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, सफ्दरजंग वेधशाला में 109.3 मिलीमीटर सामान्य बारिश की बजाय केवल 20.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जो कि 81 प्रतिशत कम थी। वेधशाला में अंतिम बार आठ सितंबर को 1.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी। आईएमडी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में इस वर्ष सितंबर में केवल तीन दिन अच्छी बारिश हुई। इससे पहले 2016 के सितंबर में सबसे कम बरसात हुई थी जब केवल दो दिन अच्छी बारिश हुई थी। दिलचस्प बात यह भी है कि दिल्ली में इस साल अगस्त में 237 मिलीमीटर बारिश हुई जो पिछले सात वर्षों में अगस्त महीने में हुई सबसे ज्यादा बारिश है। कुल मिलाकर राष्ट्रीय राजधानी में एक जून से लेकर अब तक 633.1 मिलीमीटर सामान्य बारिश की बजाय 576.5 मिलीमीटर बारिश हुई जो कि नौ प्रतिशत कम है।

एमएसपी खत्म कर एक लाख करोड़ रुपए कमाएगी सरकारः कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि कृषि संबंधी कानून बनाकर सरकार का मकसद न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी खत्म कर किसानों की मेहनत पर पानी फेरते हुए शांताकुमार रिपोर्ट को लागू करना है और खेतीबाडी करने वाले लोगों से एक लाख करोड रुपए कमाना है।

कांग्रेस प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी तथा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने गुरुवार को यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने शांता कुमार समिति की रिपोर्ट को सीधे लागू नहीं करके इस कानून के जरिए इस रिपोर्ट को एक षडयंत्रकारी तरीके से लागू करने का रास्ता निकाला है। सरकार किसान की मेहनत पर पानी फेरते हुए उसकी उसकी कमाई से एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा अर्जित करना चाहती है। उन्होंने कहा कि इस समय किसानों को सुरक्षा चक्र की ज्यादा आवश्यकता थी और सरकार को उन्हें सुरक्षा चक्र देना चाहिए था। उनके विवादों को निपटाने के लिए पहल करते हुए उन्होंने कहा कि न्यायाधिकरण बनाना जाना चाहिए था ताकि अपने विवादों का वे वहां पर आसानी से निपटान कर सकते। इसी तरह से किसानों के लिए राष्ट्रीय कृषि आयोग का गठन किया जाना चाहिए था लेकिन ऐसा कोई कदम किसानों के हित में उठने की बजाय उनके लिए लागू लाभकारी व्यवस्था पर ही कैंची चला दी गयी है। कांग्रेस प्रवक्ताओं ने कानून को संघीय व्यवस्था के खिलाफ बताते हुए इसे असंवैधानिक करार दिया और कहा कि यदि यह विधेयक कानून बन जाता है तो इसे न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है। उनका कहना था कि किसानों के लिए इस तरह का केंद्रीय कानून नहीं हो सकता है।

आईआईटी में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं से संबंधित याचिका खारिज

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने देशभर में आईआईटी में छात्रों में बढ़ते आत्महत्याओं के मामलों की रोकथाम के लिए छात्र स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू करने के निर्देश देने संबंधी याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। न्यायालय ने इस तरह की याचिका दायर करने के लिए याचिकाकर्ता गुराव कुमार बंसल पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। न्यायमूर्ति रोहिंटन एफ नरीमन, न्यायमूर्ति नवीन सिन्हा और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की खंडपीठ ने याचिका खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से अपमानजनक करार दिया और अधिवक्ता याचिकाकर्ता पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया। श्री बंसल द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया था कि आईआईटी में आत्महत्याओं की संख्या बढ़ रही है और इसके मद्देनजर मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम की धारा 29 लागू की जानी चाहिए। याचिकाकर्ता ने छात्र स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू करने का केंद्र को निर्देश देने का आग्रह किया था।

जम्मू-कश्मीर आतंकवादी हमले में सीआरपीएफका जवान शहीद

सर्विस राइफल लेकर भागे आतंकी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में मोटरसाइकिल पर सवार कुछ आतंकवादियों ने गुरुवार सुबह केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान पर हमला करके उसकी हत्या कर दी। हमले को अंजाम देने के बाद आतंकवादी जवान की राइफल छीनकर घटनास्थल से फरार हो गए। सूत्रों के मुताबिक बडगाम जिले के चदूरा वादीपोरा केसरमुल्ला में आज सुबह मोटरसाइकिल पर सवार कुछ आतंकवादियों ने सीआरपीएफ के एक सहायक उपनिरीक्षक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

गंभीर रूप से घायल जवान को सेना के 92 बेस अस्पताल में ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। जवान की पहचान सहायक उपनिरीक्षक बोडले के रूप में की गयी है। वह महाराष्ट्र के नागपुर का रहने वाला था। इसी बीच, सुरक्षा बलों ने हमले में शामिल आतंकवादियों को पकडने के लिए पूरे इलाके की घेराबंदी करने के बाद तलाश अभियान शुरू कर दिया है। इस मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले इसी जगह पर बुधवार रात ब्लॉक विकास परिषद (बीडीसी) के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह की कुछ अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य व्यवस्था जारी रहेगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि हाल ही में संसद से पारित कृषि क्षेत्र से जुड़े तीनों विधेयक किसानों के हितों के लिए हैं जो कृषकों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। श्री तोमर ने कहा कि कृषि उत्पादों से संबंधित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) एक प्रशासकीय निर्णय था जो जारी था, है और आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस इन विधेयकों का विरोध करके देश के किसानों को गुमराह कर रही है। कांग्रेस अगर इन विधेयकों का विरोध कर रही है, तो उसे पहले अपने घोषणा पत्र से मुकरने की घोषणा करनी चाहिए क्योंकि इस पार्टी ने 2019 के अपने घोषणा पत्र में कहा था की एमएसपी निर्णय को बदलेंगे, किसानों के उत्पाद खरीद-फरोख्त पर कोई कर नहीं होगा और अंतरराज्यीय व्यापार को बढ़ावा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि यही बातें इन विधेयकों में हैं। श्री तोमर ने कहा कि इस विधेयक में एमएसपी क्यों नहीं है, ये बात ऐसे लोग कह रहे हैं जो देश में 50 साल सत्ता में रहे। एमएसपी के लिए कानून बनाना आवश्यक था, तो इन लोगों ने 50 साल में इसको लेकर कानून क्यों नहीं बनाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्रियों की उच्चाधिकार समिति की बैठक में कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा था कि आवश्यक वस्तु अधिनियम अपने उद्देश्य को प्राप्त कर चुका है, उसे अब तत्काल समाप्त कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार समेत स्वामीनाथन समिति और राष्ट्रीय किसान आयोग सभी कृषि क्षेत्र में सुधार लाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि नये कृषि विधेयकों से व्यापारियों और किसानों के बीच की दूरी कम होगी और किसानों के उपज की खरीद के लिए व्यापारी खुद उनके घर तक आएंगे। किसान को अपनी फसल की उपज बेचने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं होगी और किसान को अधिकतम तीन दिनों की समय सीमा में उपज का उचित मूल्य मिलेगा।

नई शिक्षा नीति नूतन और पुरातन शिक्षा का समागम हैः राजनाथ

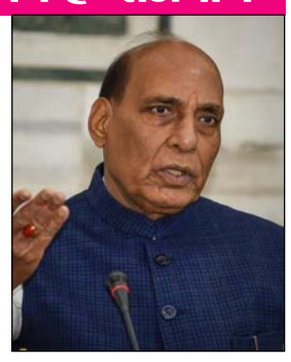

पटना, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि 33 साल बाद शिक्षा से बहुमुखी विकास के लिए नई शिक्षा नीति बनाई गई है। उन्होंने कहा कि यह शिक्षा नीति नूतन और पुरातन शिक्षा का समागम है। बिहार के शिक्षकों और बुद्धिजीवियों से वर्चुअल रूप से संवाद करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि 33 वर्ष से कोई शिक्षा नीति नहीं लाई गई थी। शिक्षा के क्षेत्र में हमारा नजरिया पिछली शताब्दियों में ही अटका रहा है जबकि नई शिक्षा नीति से 21 वीं शताब्दी के नए और व्यापक बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। उन्होंने कहा, मुझे बिहार के शिक्षकों से संवाद करते बहुत खुशी हो रही है। मैं भी इसी समुदाय से आता हूं। बिहार को ज्ञान की धरती का दर्जा प्राप्त है। बिहार की धरती तो विश्व के सबसे बड़े शिक्षक महात्मा बुद्ध की धरती है। उन्होंने शिक्षकों को समाज का शिल्पी बताते हुए कहा कि शिक्षकों से समाज का अच्छा शिल्पकार कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जिस तरह कुम्हार मिट्टी से उपयोगी बर्तन बना देता है कि उसी तरह आने वाली पीढ़ी को गढ़ने का काम शिक्षकों का है। उन्होंने कहा कि जिस बिहार में चाणक्य ने अर्थशास्त्र लिखा हो और नालंदा विश्वविद्यालय हो उसकी बुनियाद क्या रही होगी उसकी कल्पना की जा सकती है। सिंह ने कहा कि बिहार के युवा आज भी देश से लेकर विदेशों में परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने बिहार के लोगों की तारीफकरते हुए कहा कि बिहार में गरीब से गरीब व्यक्ति भी अपने बच्चों को सुसंस्कृत शिक्षा की व्यवस्था करते हैं।

दिल्ली हिंसा मामले में 22 अक्तूबर तक जेल में ही रहेंगे उमर खालिद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने फरवरी में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुई सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित मामले में कठोर आतंकवाद रोधी कानून, गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किये गए जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को बृहस्पतिवार को 22 अक्टूबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद खालिद को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत के समक्ष पेश किया गया था। खालिद को 13 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने उनकी और हिरासत नहीं मांगी। पुलिस ने प्राथमिकी में दावा किया है कि सांप्रदायिक हिंसा पूर्व-नियोजित साजिश थी, जिसे कथित रूप से खालिद और दो अन्य लोगों ने अंजाम दिया था। खालिद के खिलाफ राजद्रोह, हत्या, हत्या का प्रयास, धर्म के आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच द्वेष पैदा करने और दंगा भड़काने के आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि खालिद ने कथित रूप से दो अलग-अलग जगहों पर भड़काऊ भाषण दिये और लोगों से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा के दौरान सड़कों पर उतरने और उन्हें जाम करने की अपील की ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह दुष्प्रचार किया जा सके कि भारत में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार किया जा रहा है। प्राथमिकी के अनुसार इस षडयंत्र को अंजाम तक पहुंचाने के लिये कई घरों में हथियार, पेट्रोल बम, तेजाब की बोतलें और पत्थर जमा किये गए। पुलिस का आरोप है कि सह-आरोपी दानिश को कथित रूप से दो अलग-अलग जगहों पर लोगों को जमा करने और दंगा भड़काने की जिम्मेदारी दी गई थी।

कृषि बिल को लेकर देश भर में कांग्रेस का प्रदर्शन, सरकार को घेरने की है तैयारी

नयी दिल्ली, एजेंसी। कृषि संबंधित बिलों को लेकर जहां उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब आदि जगहों के किसान प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं आज से कांग्रेस ने मोदी सरकार के खिलाफमोर्चा खोल दिया है. कांग्रेस ने कृषि बिल के विरोध में देशभर में प्रदर्शन शुरू कर दी है. कांग्रेस ने दो दिनों पहले ही चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की बात कही थी. अब कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर सरकार को हैच टैग के माध्यम से घेरने का काम शुरू कर दिया है। तहत पार्टी के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, आज देश के खेत और खलिहान दोनों पर हमला बोला गया है. देश के खेत-मजदूर और किसान को गुलाम बनाने का षड्यंत्र किया जा रहा है. मोदी जी बताइए अगर मंडिया खत्म हो गई तो किसान को न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलेगा कैसे? देगा कौन? कैसे लेगा किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य? क्या फूड कॉरपोरेशन ऑफइंडिया साढ़े 15 करोड़ किसानों के खेत में जाकर न्यूनतम समर्थन मूल्य देकर आयेगी,सिलसिलेवार ट्वीट में सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है. सुरजेवाला ने कहा, मोदी जी क्या आप जानते हैं कि मंडियों में आढ़ती, मजदूर, मुनीम, ट्रांसपोर्टर, भार तोलने वाला, फसल और जमीन की सफाई करने वाला, अनेको लाखों-करोड़ों लोग अपनी आजीविका पालते हैं. 2 फीसदी मार्केट फीस प्रांत मंडियों के अंदर लगाते हैं, जो एफसीआई देती है किसान नहीं. ग्रामीण विकास फंड 2: से 3: लगता है, जिसकी कीमत भी एफसीआई या प्राइवेट खरीददार देते हैं किसान नहीं. प्रांतों की आय छीन लोगे, तो प्रांत कहां जायेंगे, इसी हैच टैग से कांग्रेस ने भी कई ट्वीट कर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है।

बेंगलुरु हिंसा में एनआईए की 30 ठिकानों पर छापेमारी, सादिक अली गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने बेंगलुरु में पिछले महीने भड़की हिंसा की जांच के सिलसिले में गुरुवार को करीब 30 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी ने सादिक अली को गिरफ्तार किया है। एनआईए के मुताबिक, 44 वर्षीय सादिक अली दंगे का मुख्य साजिशकर्ता है, जिसने पिछले महीने शहर में दंगा भड़काया। इस हिंसा के दौरान पुलिस फायरिंग में 3 तीन लोगों की मौत समेत कुल चार लोग मारे गए थे। कांग्रेस विधायक के एक रिश्तेदार की तरफ से अपमानजनक पोस्ट सोशल मीडिया पर डालने के बाद यह 11 अगस्त की रात को दंगा भड़क उठी थी। एनआईए ने औपचारिक रूप से इस दंगा केस की जांच मंगलवार को अपने हाथों में लिया। इसने बताया कि सादिक अलीग दंगे वाली रात से ही फरार चल रहा था। एजेंसी ने आगे कहा कि तलाशी के दौरान उन्होंने एयरगन, पैलेट्स, धारदार हथियार और लोहे के रड बरामद किए। उसने कहा कि छापे के दौरान कुछ डिजिटल डिवाइस और सोशल डेमोक्रेकिट पार्टी ऑफ इंडिया और स्टुडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) से जुड़े कई आपत्तिजनक कागजात बरामद किए हैं। भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कांग्रेस विधायक आर. अखंड श्रीनिवास और उनकी बहन को निशाना बनाकर किए गए इस हमले के बाद 11 अगस्त की रात शहर में भड़की हिंसा और आगजनी को लेकर एसडीपीआई सदस्यों समेत करीब 300 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए थे। बीजेपी ने राजनीतिक संगठन पॉपुलर फ्रंड ऑफ इंडिया से जुड़े एसडीपीआई को दंगा के लिए कसूरवार ठहराया और इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की।

योगी ने चिकित्सा संस्थानों को वर्चुअल आईसीयू के माध्यम से जोड़ने की कार्यवाही के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चिकित्सा संस्थानों को वर्चुअल आई0सी0यू0 के माध्यम से जोड़ने की कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी आधारित इस व्यवस्था को अपनाकर योग्य एवं अनुभवी चिकित्सकों के द्वारा अधिक से अधिक गम्भीर रोगियों का बेहतर इलाज सुनिश्चित कराया जा सकता है। उन्होंने सभी जनपदों में वेंटीलेटर्स, एच0एफ0एन0सी0 (हाई फ्लो नेजल कैन्युला) को क्रियाशील रखे जाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन जनपदों में पिछले एक सप्ताह के दौरान प्रतिदिन औसतन 100 या उससे अधिक कोविड-19 के केसेज मिले हैं, ऐसे जनपदों में संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए कारगर रणनीति अपनाई जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव गृह, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा सहित चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा गहन विचार-विमर्श करते हुए कार्य योजना को अन्तिम रूप दिया जाए। इन जनपदों में नोडल अधिकारी नामित किये जाएं। प्रत्येक नोडल अधिकारी के साथ विशेष सचिव स्तर का अधिकारी भी तैनात होगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग करते हुए कोरोना के प्रसार पर प्रभावी रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क ग्रुप को लक्षित करते हुए मेडिकल टेस्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए। कोविड-19 के प्रतिदिन किए जाने वाले टेस्ट में एक तिहाई आर0टी0पी0सी0आर0 द्वारा तथा शेष जांचें रैपिड एन्टीजन टेस्ट के माध्यम से की जाएं। उन्होंने एल-2 तथा एल-3 कोविड अस्पतालों में बेड्स की संख्या में वृद्धि के निर्देश भी

दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग तथा मास्क के उपयोग के सम्बन्ध में प्रवर्तन कार्यवाही को पूरी सक्रियता से संचालित किया जाए। आवश्यकतानुसार माइक्रो कन्टेनमेन्ट जोन स्थापित किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि पब्लिक एड्रेस सिस्टम पूरी तरह सक्रिय रहें और इनके माध्यम से कोरोना से बचाव तथा यातायात सुरक्षा के बारे में लोगों को जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 के उपचार सम्बन्धी औषधियों, टेस्टिंग किट्स तथा बचाव में इस्तेमाल होने वाली सामग्री जैसे मास्क, ग्लव्स, पी0पी0ई0 किट तथा सेनिटाइजर आदि की पर्याप्त एवं सुचारु व्यवस्था बनाए रखी जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्थिति का आकलन करते हुए आने वाले समय की जरूरतों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कराई जाएं। उन्होंने स्वच्छता एवं सेनिटाइजेशन कार्य को निरन्तरता प्रदान किए जाने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी पर्वों को ध्यान में रखते हुए लोगों को कोविड-19 से बचाव के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया जाए। त्यौहारों को घर पर ही मनाया जाए। कोई सार्वजनिक आयोजन न किया जाए। त्यौहारों को मनाने में कोविड-19 के प्रोटोकॉल के पूर्ण पालन तथा सोशल डिस्टेंसिंग अपनाने के सम्बन्ध में लोगों को जानकारी दी जाए। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट सिटी योजना तथा अमृत योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा घोषित विशेष आर्थिक पैकेज का पूरा लाभ प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध ढंग से कार्यवाही की जाए। अधिक से अधिक कामगारों, स्ट्रीट वेण्डरों को ऋण प्रदान कर लाभान्वित किया जाए। एम0एस0एम0ई0 इकाइयों को पैकेज के माध्यम से लोन उपलब्ध कराने की कार्यवाही प्रभावी ढंग से की जाए। उन्होंने बुन्देलखण्ड क्षेत्र में गौ संरक्षण केन्द्रों को सुचारु रूप से क्रियाशील रखे जाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना, स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा शिक्षा डॉ0 रजनीश दुबे, अपर मुख्य सचिव एम0एस0एम0ई0 नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव पंचायती राज एवं ग्राम्य विकास मनोज कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एस0पी0 गोयल, प्रमुख सचिव पशुपालन भुवनेश कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य आलोक कुमार, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद, सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार, सूचना निदेशक शिशिर सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

घर-घर कोरोना महामारी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए

लखनऊ, संवाददाता। जिला प्रोबेशन अधिकारी लखनऊ ने सूचित किया कि विकास भवन लखनऊ सभागार में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के जिला फोर्स कमेटी की बैठक सहायक कलेक्टर प्रणता ऐश्वर्या यआई0ए0एस0द्ध की अध्यक्षता में आहूत की गई बेटी बचाओ.बेटी पढ़ाओ योजना के जनपद में सफल संचालन हेतु विभिन्न विभागों को निर्देश दिए गए शिक्षा विभाग के माध्यम से 11 अक्टूबर 2020 अंतर्राष्ट्रीय कन्या दिवस को धूमधाम से मनाया जाए, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से घर-घर कोरोना महामारी से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाए अथवा बालिकाओं एवं महिलाओं का निरंतर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए ससमय आयरन गोलियों का वितरण किया जाए पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने के दृष्टिगत जनपद में स्थापित पिंक पुलिस बूथ की जानकारी जनसामान्य तक पहुंचाई जाए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के जिला टास्क फोर्स की बैठक का संचालन जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉ अमरनाथ यति एवं महिला शक्ति केंद्र लखनऊ द्वारा किया गया। बैठक में प्रमुख जिला स्तरीय विभागों बेसिक शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, बाल कल्याण समिति एवं वन स्टॉप सेंटर लखनऊ द्वारा प्रतिभाग किया।

तिरंगा यात्रा के समर्थन में महिला संगठन भी सक्रिय हैं

लखनऊ, संवाददाता। सामाजिक न्याय और संविधान की रक्षा के लिए महिला संगठन 27 सितंबर को बर्लिंगटन चौराहे से गांधीजी प्रतिमा तक तिरंगा यात्रा के समर्थन में सामने आई हैं। इस संबंध में, राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन और महिला समिति और महिला कल्याण संगठन के नेताओं ने इस तिरंगा यात्रा में भाग लेने का आश्वासन दिया है। सामाजिक कार्यकर्ता संगठन की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष शमीम वारसी ने आज एक बयान में घोषणा की कि सभी महिला संगठन संविधान की रक्षा और किसी भी भ्रष्टाचार के खिलाफ यात्रा में हिस्सा लेंगी।चूंकि सरकारें मनमाने तरीके से लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर रही हैं, खासकर महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा बहुत गंभीर होता जा रहा है, इसलिए महिलाओं के लिए अपनी आवाज उठाने के लिए सड़कों पर उतरना बहुत जरूरी हो गया है। शमीम वारसी का कहना है कि सरकार और नौकरशाही अनर्गल है और अब वे पालन कर रहे हैं। यही कारण है कि अपराधी आजादी से घूम रहे हैं और आज लखनऊ की सड़कों पर व्यापक दिन के उजाले में नागरिकों को परेशान कर रहे हैं और अपराध कर रहे हैं। और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है लेकिन पुलिस उनके रोने को सुनने के लिए तैयार नहीं है। ऐसी स्थिति में, सरकार को जगाने के लिए हमें आगे आना आवश्यक है।

प्रदूषण के कारण भारतीय पर्यटन स्थलों पर जाने से कतरा सकते हैं पर्यटक

लखनऊ, संवाददाता। विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) से पहले भारत के अग्रणी यात्रा एवं पर्यटन असोसिएशंस एकजुट होकर सरकार से पैकेजिंग अपशिष्ट का कलेक्शन और रिसाइकलिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने की अपील की हैं। उनका कहना है कि स्वच्छता क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को भारतीय पर्यटक स्थलों की ओर आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपशिष्ट संग्रह प्रणाली को मजबूत करने और आम नागरिकों को विभिन्न प्रकार के प्लास्टिक के जिम्मेदार निपटान के महत्व पर शिक्षित करने से पर्यटन स्थलों और अन्य भारतीय शहरों में कम कचरा पैदा होगा। वर्तमान में मल्टीलेयर्ड पैकेजिंग (चिप्स बिस्कुट) और टेट्रा पैक्स जैसे प्लास्टिक रिसाइकलिंग के इकोसिस्टम में कम महत्व पाने के कारण बहुत कम कलेक्ट किये जाते हैं और अन्य प्लास्टिक, जैसे पीईटी,एचडीपीई बॉटल्स की विश्वभर में सबसे ज्यादा रिसाइकलिंग होती है और कूड़ा बीनने वालों को प्रति कि.ग्रा. 25-30 रू. मिलते हैं। एक महीने पहले भारत सरकार ने स्वच्छ सर्वेक्षण का डेटा जारी किया था, जिसमें कई पर्यटन स्थलों, जैसे अमृतसर, जयपुर, दिल्ली, मुंबई, श्रीनगर, वाराणसी, शिलॉन्ग, आदि की रेटिंग खराब रही। विश्व के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में से आधे भारत में हैं। भारतीय गंतव्यों की विश्व में नकारात्मक छवि बनती है और पर्यटन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। मौजूदा महामारी एक स्वच्छ सुरक्षित और पर्यावरण-हितैषी पर्यटन पारिस्थितिकी निर्मित करने के रोडमैप पर दोबारा सोचने का अवसर है।

घूसखोर लेखपाल 3 हजार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

लखनऊ, संवाददाता। भ्रष्टाचार निवारण संगठन एन्टी करप्शन आर्गनाईजेशन की ट्रैप टीम के हाथ एक और सफलता लगी है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन के एसपी राजीव मल्होत्रा द्वारा मुरादाबाद इकाई के इन्स्पेक्टर कुलवीर सिंह के नेतृत्व मे गठित की गई ट्रैप टीम ने अमरोहा की हसनापुर तहसील के लेखपाल योगेन्द्र कुमार को अमरोहा में मोहल्ला मनापुर से तीन हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथो गिरफ्तार कर घूसखोर लेखपाल के खिलाफ हसनापुर कोतवाली मे मुकदमा दर्ज करा कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन के एसपी राजीव मलहोत्रा को ग्राम भावली हसनापुर अमरोहा के रहने वाले सुरेश कुमार से शिकायत मिली थी जिसका दाखिल खारिज होने के बाद इस जमीन को चढ़ाए जाने के एवज मे हसनापुर तहसील के लेखपाल योगेन्द्र कुमार उनसे 3 हजार रूपए की रिश्वत मांग रहे है।

अवैध संबंध के शक में पत्नी का गला रेतकर खुद की भी गर्दन काटी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां अवैध संबंधों के शक में बेरहम पति ने चाकू से पत्नी का गला काट दिया और फिर खुद की भी गर्दन रेतकर आत्महत्या करने कोशिश की। यह ताजा मामला अलीगंज थाना क्षेत्र के बनारसी टोला का है। यहां गुरुवार को अवैध संबंधों के संदेह के चलते एक शख्स ने अपनी पत्नी का चाकू से गला रेतने के बाद खुद की भी गर्दन काट ली। खून से लथपथ दोनों जमीन पर जा गिरे। घटना की सूचना मिलते ही मोहल्ले में हड़कंप मच गया। परिजनों ने आनन-फानन में घायलों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। परिजनों का आरोप है कि इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी पुलिस को भनक नहीं लगी। घटना की सूचना देने के बाद भी पुलिस कई घंटें तक अस्पताल नहीं पहुंची। वहीं पुलिस ने बताया कि जब उन्हें जानकारी मिली तो वह तत्काल पहुंचकर मामले की जांच कर रहे है। पुलिस ने बताया कि अभी इस संबंध में तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर आरोपी के खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

फेसबुक अकाउंट बाधित, फेसबुक इंक को कानूनी नोटिस

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस अफसर अमिताभ ठाकुर ने उनके फेसबुक अकाउंट यूआरएल ीजजचेरूध्ध्ूूूण्ंबमइववा.बवउध्ंउपजंइीजींनतसाव को फेसबुक इंक द्वारा कल अचानक बाधित किये जाने के मामले में फेसबुक इंक को कानूनी नोटिस भेजा है। अमिताभ ने अपने नोटिस में कहा कि फेसबुक इंक को किसी अकाउंट को बाधित करने का अधिकार है किन्तु यह उन्ही स्थितियों में किया जाता है जब कोई व्यक्ति फर्जी नाम से फेसबुक का संचालन करे, दूसरों को परेशान करे या फेसबुक पर गलत आचरण करे। उन्होंने कहा कि वे अपने ही नाम से फेसबुक चलाते हैं तथा उन्होंने फेसबुक पर अपने तमाम डाटा एवं सूचना उपलब्ध करा रखे हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक के सक्रियता के चलते संगठित गिरोह धोखाधड़ी से धन अर्जित करने वाली गिरोह का पर्दाफाश

श्रावस्ती। थाना सिरियारी के अंतर्गत बंसीलाल पुत्र श्री राम निवासी माधवपुर जनपद श्रावस्ती द्वारा इलाहाबाद बैंक सेवा केंद्र चलाता था ग्राहक सेवा केंद्र की आड़ में 150 सी धारकों से छल कपट करके धन-धन किया गया उक्त अभियुक्तों का एक संगठित गिरोह था जो धोखाधड़ी से धन अर्जित करता था जिसमें गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त बंशीलाल पुत्र श्री राम निवासी माधवपुर चौराहा कनवा थाना सिरियारी 5 अभियुक्त के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया था जिसकी विवेचना प्रभारी निरीक्षक श्री दद्दन सिंह थाना मल्ही पुर द्वारा किया जा रहा था उक्त विवेचना मैं गैंगस्टर एक्ट की धारा के अंतर्गत अनुचित लाभ से खरीदा गया ट्रैक्टर भूमि व मकान को जप्त

किए जाने हेतु परिवर्तन किया गया था उक्त परिवर्तन पर जिला मजिस्ट्रेट श्रावस्ती को संपत्ति जब कारण है आदेश पारित किया गया था आदेश के पालन करने हेतु पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद कुमार मौर्य के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक बीसी दुबे उप जिला अधिकारी भिनगा के नेतृत्व में क्षेत्राधिकारी दूंगा थाना प्रभारी सीरिया रीवा थाना प्रभारी मल्हीपुर मैं पुलिस बल व राजस्व की टीम की उपस्थिति में अभियुक्त बंसीलाल की चल व अचल संपत्ति अनुमानित कीमत 82 लाख रुपए जप्त की गई और पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम को ?15000 नगद पुरस्कृत किया गया।

मुख्यमंत्री ने फर्रुखाबाद में बोरवेल के सफाई कार्य में हुई दुर्घटना का संज्ञान लिया

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद फर्रुखाबाद में बोरवेल के सफाई कार्य में हुई दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस हादसे में घायल मजदूरों का समुचित उपचार सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए हैं। गुरुवार को सुबह 45 फीट गहरे बोरबेल में ईंटे निकालने के लिए घुसे दो वृद्ध अचानक दब गये, जिसके बाद उनको निकालने का रेस्क्यू आपरेशन किया गयाद्य बड़ी संख्या में भीड़ मौके पर एकत्रित है, कई घंटे बाद दोनों को निकाल गया, जिसके बाद एक को लोहिया अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया, थाना क्षेत्र के ग्राम अलेपुर पीत धौलेश्वर निवासी 65 वर्षीय असरफ अपने 45 फुट गहरे बोरबेल में गाँव के ही 60 वर्षीय नंदन राजपूत के साथ ईंटे निकालने के लिए घुसे थे। कुल 6 लोग ऊपर थेद्य अचानक ईंटे निकालने के दौरान बोरबेल की मिट्टी धस गयीद्य जिससे दोनों असरफ और नन्दन मिट्टी में दब गये, दोनों के दबने से चीखपुकार मच गयी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ मौके पर आ गयी, सूचना तहसीलदार कायमगंज प्रदीप कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर आ गये, जेसीबी रेस्क्यू आपरेश लगायीं गयी थी, थी, लगभग चार घंटे चले बचाव कार्य के बाद आखिर दोनों को निकाला गया, उन्हें तत्काल 108 एम्बुलेंस से लोहिया अस्पताल भेजा गया, लोहिया अस्पताल में नंदन राजपूत को डॉ0 प्रदीप नने मृत घोषित कर दिया गया, जबकि असरफ की हालत गंभीर है। थानाध्यक्ष नें बताया की कि दोनों को निकाला गया है। उन्हें लोहिया अस्पताल भेजा गया।

ऑल इण्डिया पायामे इंसानियत फोरम ने पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया

लखनऊ, संवाददाता। आज ऑल इण्डिया पायामे इंसानियत फोरम लखनऊ यूनिट ने लखनऊ महानगर चौकी में कोरोना महामारी के दौरान अपनी जान की बाजी लगाकर भी अपने कर्तव्यों को पूरा करने वाले पुलिस कर्मियों (कोरोना योद्धाओं) के लिए एक सम्मान समारोह आयोजित किया और कोरोना काल में बेहतरीन काम के लिए पुलिसकर्मियों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर प्राची सिंह (आई0 पी0 एस0) ने संस्था का धन्यवाद करते हुए कहा कि जिस वक्त पूरे देश के लोग कोरोना महामारी की वजह से अपने घरों में बंद था, उस वक्त पुलिस डिपार्टमेंट के लोग अपनी जान की परवाह न करते हुए अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद थे साथ ही कानून व्यवस्था भी बरकरार रखे हुए थे। आज भी जब सभी लोग अपनी सामान्य जीवन शैली की ओर लौट रहे हैं किसी ने अगर हमारे योगदान की ओर ध्यान दिया और हमारा धन्यवाद किया तो वो सिर्फ ऑल इंडिया पयाम-ए-इन्सानियत फोरम ही है।

किसानों को विश्वास में लेकर लेना चाहिए था निर्णयः माया

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार के कृषि विधेयक पर एक बार फिर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा है कि केन्द्र सरकार किसानों को विश्वास में लेकर

निर्णय लेती तो बेहतर होता। मायावती ने गुरूवार को ट्विटर के माध्यम से लिखा कि, बसपा ने उत्तर प्रदेश में अपनी सरकार के दौरान कृषि से जुड़े अनेकों मामलों में किसानों की कई पंचायतें बुलाकर उनसे समुचित विचार-विमर्श करने के बाद ही उनके हितों में फैसले लिए थे। यदि केंद्र सरकार भी किसानों को विश्वास में लेकर ही निर्णय लेती तो यह बेहतर होता। इससे पहले मायावती ने लिखा था कि संसद में किसानों से जुड़े दो बिल, उनकी सभी शंकाओं को दूर किये बिना ही, पास कर दिये गये हैं। उससे बसपा कतई भी सहमत नहीं है। पूरे देश का किसान क्या चाहता है? इस ओर केन्द्र सरकार जरूर ध्यान दे तो यह बेहतर होगा। ज्ञात हो कि कृषि सुधार बिल के विरोध में कई विपक्षी दल लामबंद हैं। बीते रविवार को विपक्षी दलों ने इसके विरोध में राज्यसभा में हंगामा भी किया था। हालांकि विपक्षी दल होने के बावजूद बसपा ने इस हंगामें से स्वयं को दूर रखा था, लेकिन बसपा सुप्रीमो मायावती लगातार इस मुद्दे पर पार्टी की राय रखते हुए इसका विरोध कर रही हैं। किसान संगठनों ने कृषि विधेयकों के विरोध में शुक्रवार को चक्का जाम करने का भी निर्णय किया है।

विपक्षी दल देश के किसानों को गुमराह करने का प्रयास कर रहेः स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री स्वतंत्र देव सिंह ने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि सुधार विधेयकों को किसानों के हित में ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कृषि सुधार विधेयकों को लेकर कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों द्वारा किये जा रहे विरोध को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि कांग्रेस ने शुरू से ही देश के किसानों को कानून के नाम पर जकडे रखा। कांग्रेस ने आज तक तो किसानों के हित में कोई फैसला लिया नहीं और आज जब कृषि सुधार पर फैसले लिए जा रहे है तो किसानों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि सरकार चाहती है कि किसान अपनी भूमि को पूंजीपतियों को बेच दे जबकि तथ्य यह है कि किसानों को इन विधेयकों में पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गई है, किसानों की भूमि की बिक्री या गिरवी रखना पूर्णतः निषिद्ध है। प्रदेश

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को सशक्त करने के लिए आज तक कुछ भी नहीं किया। 55 साल में एक बार कांग्रेस ने किसानों का कर्ज माफ करने की योजना बनाई और उसमे भी बड़ा घोटाला किया। कांग्रेस के पास कृषि व्यवस्था में कोई भी सुधार करने की न तो नीयत थी न ही कोई इच्छाशक्ति। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि यह विधेयक 70 वर्षो से हमारे अन्नदाताओं के होने वाले शोषण को समाप्त कर एक नई व सुगम व्यवस्था को स्थापित करेंगे। पूर्व में किसानों को अपनी फसलों का भुगतान लेने में अनेकों कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। वहीं हाल ही में पारित हुए विधेयक के माध्यम से यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक व्यापारी को उसी दिन या अधिकतम तीन कार्य दिवसों के भीतर ही किसान की फसल का भुगतान करना पड़ेगा।

रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में मुख्यमंत्री के आदेश का किया स्वागत

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण को शीघ्र कार्यवाही के लिए लिखा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में विभागों में रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए आदेश का स्वागत किया है। इस संबंध में उन्होंने अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण को उनके आधिकारिक ईमेल आईडी पर पत्र भेजकर तत्काल कार्यवाही की मांग किया है। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि शासन के कार्मिक विभाग के पत्र दिनांक 6.05 2020 एवं चिकित्सा अनुभाग 4 के पत्र दिनांक 7 मई 2020 माध्यम से शासन ने चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न संवर्गो के रिक्त पदों की सूचना संकलित करने के निर्देश महानिदेशक चिकित्सा विभाग को दिए हैं। जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि कोविड-19 संकट काल के दौरान राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के माध्यम से मुख्यमंत्री से विभागों में खाली पदों को भरने के लिए लगातार अनुरोध करते आ रहे हैं। इसी संदर्भ में मुख्यमंत्री ने विभागों में रिक्त चले आ रहे पदों को युद्ध स्तर पर कार्यवाही कर भरने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में कार्मिक विभाग ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश जारी कर रिक्त पदों की सूचनाएं संकलित किए जाने एवं रिक्त पदों को भरे जाने की कार्यवाही करने के निर्देश जारी किए हैं। कार्मिक विभाग द्वारा निर्गत निर्देशों के क्रम में चिकित्सा अनुभाग 4 के माध्यम से चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में रिक्त पदों की सूचना संकलित की गई है। शासन के पत्र दिनांक 07.05.2020 के क्रम में महानिदेशक के माध्यम से विभाग में संवर्गवार रिक्त पदों की सूचना शासन को प्रेषित जा चुकी है। महानिदेशक द्वारा प्रेषित सूचना के अनुसार स्टाफ नर्स के 3359, अवर अभियंता(सिविल) 19,डेंटल हाइजीनिस्ट 217, प्रयोगशाला प्राविधिक 700, फार्मासिस्ट 460, तंल टेक्निशियन 456, कनिष्ठ सहायक 385, भंडार पाल कम लिपिक 50, कनिष्ठ सहायक 19, आशुलिपिक 5, सहायक सांख्यिकी अधिकारी 44, टेक्नोलॉजीस्ट 4, इलेक्ट्रीशियन 3, इलेक्ट्रीशियन कम जनरेटर ऑपरेटर 19, बायोलॉजिस्ट 2, कीट विज्ञान सहायक 01, फाइलेरिया निरीक्षक 5, नेत्र परीक्षण अधिकारी 128 ,एवं प्रयोगशाला सहायक ग्राम्य 72, सहित समूह ग के 2587 एवं कुल 5946 पद रिक्त होने की सूचना शासन को प्रेषित की गई है। महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर जे एन तिवारी ने अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य से विभाग में रिक्त सभी पदों को तत्काल भरने की कार्यवाही सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है, ताकि कोविड-19 के नियंत्रण का कार्य सुचारु रुप से चल सके एवं इस कार्य में सक्षम कर्मियों की कमी के कारण कोई बाधा ना उत्पन्न हो सके।

गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माता की दीर्घायु के लिए पूजन

लखनऊ, संवाददाता। श्री जैन धर्म प्रवर्द्धनी सभा की ओर से डालीगंज जैन मंदिर में गुरुवार को जैन जगत के सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख 105 ज्ञानमती माताजी के 86 वर्ष पूरे होने एवं 87 वर्ष में प्रवेश होने व उनके दीर्घायु हेतु विशेष पूजा अर्चना की गई। माता जी का मुख्य जन्मोत्सव 30 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन देशभर में मनाया जाएगा। अध्यक्ष विनय कुमार जैन ने बताया कि माता जी के दीर्घायु के साथ साथ कोरोना संकट से मुक्ति के लिए भी भगवान से प्रार्थना की गई। पूरे विश्व के माता के भक्तों द्वारा स्वामी जी एवं चंदना मति माताजी ने प्रार्थना करने पर इस कोरोना के संकट काल में जूम एप के द्वारा जम्मू दीप हस्तिनापुर से संचालित 86 दिन का महागुरु मां का भक्ति का कार्यक्रम चल रहा है। कार्यक्रम का प्रारंभ मार्गदर्शन एवं संचालन प्रज्ञा शिरोमणि आर्य का रत्न 105 चंदना मति माताजी तथा इसका संचालन रविंद्र कीर्ति स्वामी जी ने किया टिकैतनगर समाज के मंत्री निकलंक जैन ज्ञानमती महिला भक्त मंडल अध्यक्षता शुभा जैन डालीगंज में कई भक्तों के घरों में कार्यक्रम हुआ।

इन्स्पायर एवार्ड पंजीकरण में लखनऊ दूसरे स्थान पर बरकरार

निजी विद्यालयों की उदासीनता से पिछड़ रहा है लखनऊ

लखनऊ, संवाददाता। गरीब संवर्ग के कक्षा 6 से कक्षा 10 तक के स्कूली बच्चों के लिये आयोजित होने वाली सबसे बड़ी विज्ञान प्रतियोगिता इन्स्पायर एवार्ड मानक-2020-21 के लिये निःशुल्क ऑनलाइन पंजीकरण व अपने वैज्ञानिक आइडिया को भेजने की अंतिम तिथि 30 सितम्बर है। म्रडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डा0 दिनेश कुमार के प्रयासों से लखनऊ अपने मंडल में चौथे स्थान से 340 पंजीकरण के साथ दूसरे स्थान पर आ गया है। वही हरदोई 864 पंजीकरण के साथ पहले स्थान पर मौजूद है। उन्होने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों से बच्चों का पंजीकरण कराने की अपील की। कोविड के चलते स्कूल कालेज बन्द होने के कारण गत वर्ष की तुलना में अभी पिछली पंजीकरण संख्या से काफी दूर है। डा0 दिनेश के अनुसार बहुत कम दिन बचे है यदि निजी विद्यालय पूरा प्रयास करें तो हम पिछली पंजीकरण संख्या को प्राप्त कर सकते है। इन्स्पायर एवार्ड मानक पंजीकरण और बच्चों को किसी भी प्रकार की समस्या से निपटने के लिये इन्स्पायर एवार्ड हेल्पलाइन को फिर से खोला जायेगा। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये मंडलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी के मोबाइल नंबर 9415895794 पर संपर्क किया जा सकता है। परिषदीय और निजी विद्यालयों दोनों की उदासीनता के चलते इस बार पंजीकरण कम हुये है। वर्तमान स्थिती में उन्नाव 282 पंजीकरण के साथ तीसरे स्थान पर रायबरेली 281, सीतापुर 70 और लखीमपुर खीरी मात्र 20 पंजीकरण के साथ चौथे, पांचवे और छठे स्थान पर है। इस प्रतिष्ठित और बच्चों के लिये अति उपयोगी प्रतियोगिता की सफलता के लिये अभी भी अधिक से अधिक पंजीकरण होना और बच्चों के वैज्ञानिक आइडिया का आना आवश्यक है।

कृषि एवं श्रम कानूनों के विरोध में सपा का पुरजोर विरोध आज

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आगामी 25 सितम्बर 2020 को समाजवादी पार्टी सभी जनपदों में शारीरिक दूरी बनाए रखते हुए किसानों एवं श्रमिकों के हितों पर आघात पहुंचाने वाले कृषि एवं श्रम कानूनों के विरोध में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौपेगी। किसानों के हितों की अनदेखी करने वाला जो कृषि विधेयक भारत सरकार लाई है उससे किसान अपनी जमीन का मालिक न रहकर मजदूर हो जाएगा। कृषि उत्पादन मण्डी की समाप्ति और विधेयक में न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलना सुनिश्चित न होने से किसान अब औनेपौने दामों पर अपनी फसल बेचने को मजबूर होगा। गेहूं, धान की फसल को आवश्यक वस्तु अधिनियम से हटाये जाने से किसान को बड़े आढ़तियों और व्यापारिक घरानों की शर्तो पर अपनी फसल बेचना मजबूरी होगी।

आरकेबीके के पास गोली कांड के सात अभियुक्त हुए गिरफ्तार

गोरखपुर/कैंट थाना क्षेत्र में हुई फिल्मी स्टाइल मैं फायरिंग में जहां एक व्यक्ति घायल हुआ था वही पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है दिनदहाड़े सड़क पर दहशत फैलाने वाले शातिर अपराधी को पुलिस ने तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है आपको बता दें कि गोरखपुर जिले के कैंट थाना क्षेत्र कूड़ाघाट चौराहे से लेकर मोहद्दीपुर आरकेबीके शोरूम के पास तक कहीं राउंडिंग फायरिंग कर दिनदहाड़े सरेराह दहशत फैलाया गया था।जिसमे सात अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर आज घटना का खुलासा किया।

आपको बता दें कि गिरफ्तार किए गए अपराधियो के पास से एक तमंचा दो जिंदा कारतूस घटना में प्रयुक्त दो आदत बोलेरो गाड़ी और एक पल्सर गाड़ी बरामद किया गया।

प्रेसवार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार ने कहा कि असलहा लेकर चलना या लहरा कर चलना गैर कानूनी है।जो भी लाइसेंसी असलहा धारी हो वो खुद अपने असलहा को लेकर चले दुसरो को ना दे। दबंग और प्रॉपटी का काम करने वाले डीलरों की समीक्षा की जाएगी कि प्रॉपटी डीलरों के कामो में पैसा लगाने वाले लोगो को चिन्हित किया जाएगा।

साथ ही सोशल मिडिया में सक्रिय ऐसे लोगो को भी चिन्हित किया जाएगा।उन्होंने युवा वर्ग के लोगो से अपील करते हुए कहा कि कुछ लोग अपने जन्मदिन को सड़क पर मना रहे है।ऐसे लोग सतर्क हो जाए नही भविष्य में कही ऐसे लोगो को पाया जाता है तो उनके ऊपर कानूनी कार्यवाही की जाएगी माता पिता अपने बच्चों पर ध्यान दे।क्योंकि इस घटना में जितने भी लोग शामिल रहे उनमें कुछ को छोड़ दे तो बाकी सारे बच्चे पढ़ने में काफी अच्छे हैं।और गलत संगत में पड़ कर अपराध की घटना में शामिल हो गए।पुलिस घटना में शामिल दो फरार इनामी आरोपियों को अगर दो चार दिनों के अंदर गिरफ्तार नही कर पाती है तो जल्दी उनके इनाम की राशि को बढ़ाने के लिए डीआईजी साहब को भेजा जाएगा प्रेस वार्ता के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि विगत दिनों कैंट थाना क्षेत्र में दो गुटों में हुई फायरिंग की घटना के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में लगी हुई थी वहीं घटना में शामिल 9 आरोपियों में से सात आरोपियों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेजा जा रहा है।इस घटना से शहर के आम शहरी जो अपने सामान्य जीवन को जी रहे थे।उन में दहशत फैलाने वाले इन आरोपियों के ऊपर गैंगस्टर की कार्रवाई भी की जाएगी।साथ ही फायरिंग में घायल जितेंद्र यादव की स्थिति अब के बाहर है।

आकाश से आई मुसिबत भैंस की हुई मौत

गोरखपुर/ गोला ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा नरैं निवासी बेचूलाल माली पुत्र शिवलाल माली की भैंस गुरुवार की सुबह नाद पर चारा खा रही थी की उसी समय आकाशीय बिजली का कहर भैंस पर टूट पड़ा जिससे मौके पर ही मौत हो गई।मालूम हो कि बीते दो दिन से हवा और गरज तड़क के साथ मंडलीय मुसला धार बारिश हो रही है।आकाश में बादल भी तेज गति से तड़क रहे है।गुरुवार को आकाशीय बिजली ने गरीब के मुह का निवाला छीन लिया। बेचूलाल माली दूकानों पर फुल माला देते है। एक पड़िया लेकर पाल पोस रहे थे।उसके पेट मे आठ माह का बच्चा था। सुबह बेचूलाल अपनी भैस को चारा खिलाने के लिए नाद पर बाधे और चारा डाल कर जैसे ही घर में गए तभी तेज तड़क के साथ आकाशीय मुसीबत ने कहर बरसा कर भैंस को मौत के घाट उतार दिया।

अखिल भारतीय सनातन धर्म प्रचार मानव सेवा संस्थान संगठन द्वारा न्यू वस्त्रालय का शुभारंभ किया गया

रुद्र प्रताप सिंह। मलिहाबाद रहीमाबाद क्षेत्र के अटेर ससपन के पास प्राचीन माँ बराही देवी मंदिर के मात्र 10 मीटर दूरी पर न्यू वस्त्रालय दुकान का अखिल भारतीय सनातन धर्म प्रचार मानव सेवा संस्थान के तहसील संगठन मंत्री शुभम पांडेय ने न्यू वस्त्रालय का फीता काटकर किया शुभारंभ किया जिसमे ग्राम प्रधान सत्येन्द्र अग्निहोत्री (बाबा) व अखिल भारतीय सनातन धर्म प्रचार मानव सेवा संस्थान संगठन के जिला धर्म जाग्रति प्रमुख ओम नारायण मिश्रा व जिला प्रभारी शिव नाथ शरण मिश्रा व जिला सह प्रचारक मधुर त्रिपाठी जिला अध्यक्ष मनोज सिंह उपाध्यक्ष सचिन कुमार साहू जिला प्रचारक अनीत अग्निहोत्री जी तहसील सह संगठन मंत्री निशांत तिवारी प्रभारी राघवेंद्र त्रिवेदी जी तथा आसपास के अन्य लोगों की उपस्थिति रही तथा सभी संगठन के लोगों का मुंह मीठा कराया गया और सभी पदाधिकारियों ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

नवागत बीएसए से मिला शिक्षकों का प्रतिनिधि मण्डल

दिया ड्रेस वितरण में शिक्षकों के उत्पीड़न की जानकारी

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में गुरूवार को संघ पदाधिकारियों, शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जगदीश शुक्ल से कार्यालय में शिष्टाचार भेंट किया। संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने परिषदीय विद्यालयों में निःशुल्क ड्रेस वितरण में की जा रही अनियमितता से बीएसए को अवगत कराया। कहा कि शासनादेश के अंतर्गत ड्रेस वितरण कर रहे शिक्षकों का सहयोग किया जाय व अन्य विभाग के अधिकारियों,, कर्मचारियों के हस्तक्षेप को रोका जाए और उनके द्वारा अध्यापकों के विरुद्ध कार्यवाही कराने की धमकी पर अंकुश लगाया जाय। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि उनके कार्यकाल में किसी भी शिक्षक का उत्पीड़न नहीं होने पायेगा उनकी सभी समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जायेगा। कहा कि सभी शिक्षक निर्भीक होकर शासनादेश में दी गयी व्यवस्था के अनुसार शीघ्र डेऊस का वितरण सुनिश्चित करें। प्रतिनिधि मण्डल में जिला मंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव संयुक्त मंत्री विजय प्रकाश चौधरी, अभिषेक उपाध्याय, प्रमोद तिवारी, राममरत वर्मा, बब्बन पांडेय, सूर्यप्रकाश शुक्ला आदि शामिल रहे।

फार्मेसी एंड फार्मासिस्ट वेलफेयर के तहत मनोनीत किये गए पदाधिकारी

महाराजगंज। जनपद के फार्मेसी एंड फार्मासिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के जिला स्तर के पदाधिकारियों के गठन के क्रम में उत्तर प्रदेश के छात्र सभा अध्यक्ष शेषमणि गुप्ता द्वारा विभिन्न जिलों में अध्यक्षों को मनोनीत किया गया। वहीं महाराजगंज जनपद से करण वर्मा, जौनपुर से शिवम यादव ,सूरज कनौजिया आजमगढ़ ,चेतन पाल प्रयागराज ,अंकित सिंह कुशीनगर, नरसिंह राणा मुरादाबाद ,नितेश वर्मा बाराबंकी, योगेश मिश्रा गोंडा, राघवेंद्र जी बलिया, शिव विनायक संतकबीरनगर, हिमांशु मिश्रा सुल्तानपुर, जिसान खान कन्नौज, अंकित यादव अंबेडकरनगर के पदाधिकारियों को शेषमणि गुप्ता ,छात्रसभा प्रदेश अध्यक्ष के अध्यक्षता में बुधवार को मनोनित किया गया।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक को महासचिव प्रियंका गांधी ने किया संबोधित

संगठन सृजन अभियान का दूसरा चरण 2 अक्टूबर से शुरू प्रत्येक ग्राम सभा स्तर पर संगठन तैयार करने की रणनीति तय सबकी जिम्मेदारी तय, संगठन खड़ा करने की समय सीमा भी निर्धारित।

गोरखपुर में कोरोना संक्रमित महिला ने चार बच्चों को दिया जन्म

गोरखपुर/विश्व के तमाम देशों की तरह भारत भी कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड रहा है।कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन किया गया है।

एक तरफ कोरोना संक्रमण जैसा खौफ तो दूसरी तरफ इस संकट की घड़ी में भी कुदरत अपना करिश्मा दिखा रहा है। दरअसल बाबा राघव दास मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में एक महिला ने एकसाथ चार बच्चों को जन्म दिया है। महिला और पैदा हुए बच्चे स्वस्थ बताए जा रहे हैं। वही चौथे नवजात शिशु की हालत नाजुक बनीं है।हालत गंभीर देखते हुए बच्चे को वेंटिलेटर पर रखा गया है। इस बीच डॉक्टरों ने नवजातों का सैंपल लेकर कोरोना जांच के लिए भेज दिया है। देवरिया जिले के गौरी बाजार की रहने वाली एक महिला मंगलवार कोरोना के इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंची प्रेग्नेंट महिला की हालत गंभीर देखते हुए ड्रामा सेंटर पर ड्यूटी कर रही महिला डॉक्टर्स ने उसका प्रसव कराना उचित समझा डॉक्टरों ने महिला की ए?टिजन किट से कोरोना जांच की। इसमें महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई इसके बाद फौरन गर्भवती महिला को पीएमएसएसवाई चिकित्सालय में शिफ्ट किया गया।गायनी और ऐनिस्थीसिया के डॉक्टर्स ने महिला की हालत नाजुक देखते हुए सिजेरियन प्रसव कराया।

बर्बादी की बारिश, तैयार फसल हुआ जलमग्न

फसल पस्त बारिश का पानी लहरा रहा उपर

गोरखपुर/जिले में मंगलवार रात से ही हो रही मूसलाधार बारिश ने किसानों के अरमानों पर पानी फेर दिया। बारिश से किसानों की तैयार फसल में खासा नुकसान हुआ है। वहीं सब्जी की नकदी फसलें भी प्रभावित हुई हैं। मौसम की मार से किसान बर्बादी के आंसू बहा रहे हैं।पिछले दो दिनों से मौसम खराब है। मौसम ने मिजाज बदला और आसमां बरस पड़ा। मंगलवार को बूंदाबांदी हुई लेकिन बुधवार से शुरू हुई झमाझम और रातभर हुई रिमझिम बारिश ने तैयार फसलों को बर्बाद कर दिया। किसान सिर पर हाथ रखे बेबस नजर आ रहे हैं।अब तो सब किसान ईश्वर भरोसे हाथ पर हाथ धर बैठे है।बता दें कि बांसगांव तहसील अंतर्गत ज्यादा किसान धान की खेती किए है जो इस समय लगभग 80 प्रतिशत फसलें तैयार हो चुकी है परंतु मूसलाधार बारिश व तेज हवा से तैयार फसल को बर्बाद कर दिया।बहुत से ऐसे खेत है जिसकी फसलें पस्त हो गई है और उसके उपर बारिश का पानी लहरा रहा है।

आइए किसानों की सुनो

इन दिनों धान की फसल तैयार है। बारिश से फसलों में काफी नुकसान पहुंचा है। अब निरंतर धूप निकले तो पानी कम होगा और कुछ फसल बच सकती हैं- प्रमोद यादव। धान के अलावा कुछ सीजनल सब्जी भी तैयार है। दोनों की फसलें बारिश से बर्बाद हुई हैं।धान की तो पैदावार गिरना पूरी तरह तय है- जितेंद्र सिंह। इस समय ज्यादा फसल तैयार हो गई थी अब तो ईश्वर के हाथ में है क्या होगा-भोला गुप्ता।

मन्दिर पर जबरन कब्जा, अवैध निर्माण जारी

शिकायत पर भी नही मिल रहा इंसाफ़

अयोध्या। योगी सरकार में भी भगवान धनुषधारी श्रीराम जी की संपत्ति पर जबरन गुंडई दबंगई के बदौलत अवैध कब्जा व निर्माण धड़ल्ले से दिन रात जारी है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर भी अब तक सख्त कार्यवाही नही हो रही है। जिसके कारण गन्ना सहकारी समिति फैजाबाद सचिव सुनील वर्मा उनके गुर्गों व ठेकेदार द्वारा अवैध कब्जा व निर्माण करवाया जा रहा है। विरोध करने पर मारपीट फौजदारी पर आमादा है। पीड़ित ने शिकायती पत्र सम्बन्धित विभाग व उच्चाधिकारियों को देकर इंसाफ व न्याय की गुहार लगाई है।

ज्ञात हो कि अयोध्या राजा दशरथ महल मन्दिर के परमार्थी गौ सन्त सेवी महंत बिंदु गदाचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य जी महाराज है। इस मंदिर की सम्पत्ति कैंट थाना क्षेत्र के मौजा चक गौरा पट्टी फैजाबाद गाटा संख्या 67 व 68 है। यह चक जिला सहकारी गन्ना विकास समिति आफिस से सटा है। यहां के सचिव सुनील वर्मा व उनके गुर्गे व ठेकेदार जबरन भगवान धनुषधारी की सम्पत्ति पर अवैध कब्जा कर अवैध निर्माण के तहत दर्जनों दुकान बनवा रहे है ताकि जमकर कमाई की जा सके। यह सब गुंडई दबंगई व जबरन करवाया जा रहा है। जबकि यह संपत्ति भगवान धनुषधारी श्री राम जी के नाम है और मन्दिर की अचल सम्पत्ति है।

यहां पर सहकारी गन्ना विकास समिति सचिव सुनील वर्मा फैजाबाद के द्वारा मन्दिर की जमीन व संपत्ति को गन्ना की तरह चूसने का प्रयास किया जा रहा है। उनका यह कृत्य अक्षम्य व बहुत ही गलत है। विरोध जताने पर वे धमकाते व मारपीट फौजदारी पर आए दिन आमादा हैं। प्रार्थी व पीड़ित पक्ष महंत बिंदुगदाचार्य स्वामीदेवेंद्रप्रसादाचार्य जी महाराज ने सम्बंधित विभाग व अन्य उच्चाधिकारियो को शिकायती पत्र देकर मांग है कि धनुषधारी भगवान की संपत्ति पर हो रहे इस जबरन अवैध कब्जा व अवैध निर्माण को तत्काल रोका जावें। यह सम्पत्ति मन्दिर के भगवान की है। इस जमीन पर से अबैध कब्जा हटवाकर जमीन मन्दिर को दिलवाया जावे, जो कब्जा कर रहे है उन पर भी सख्त कार्यवाही की जावें। यहां पर मठ- मन्दिर व भगवान की सम्पत्ति पर हो रहे इस अवैध निर्माण व कब्जा को जिला प्रशासन व क्षेत्र की पुलिस तत्काल रोकवाये, ताकि भगवान की सम्पत्ति सुरक्षित रह सके व न्याय प्रदान हो सकें।

श्यामदेउरवा पुलिस द्वारा गैरइरादतन हत्या के वांछित अभियुक्तगण को किया गया गिरफ्तार

महराजगंज। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण बनाये रखने हेतु पुलिस अधीक्षक महराजगंज के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक महराजगंज के पर्यवाक्षण मे आज बुधवार को थाना श्यामदेउरवा पुलिस द्वारा मु0अ0सं0-196/20, धारा- 304,323,452 ,504 भा0द0वि0 में वान्छित अभियुक्तगण मनीष कुमार दुबे पुत्र रामप्रवेश सा0 व थाना श्यामदेउरवा जनपद महराजगंज व प्रिन्स कुमार दुबे पुत्र रामप्रवेश दुबे सा0 व थाना श्यामदेउरवा जनपद महराजगंज को गिरफ्तार किया गया। बुधवार को उ0नि0 रामचरन,मय हमराह कर्मचारीगण दौरान तलाश वांछित/वारण्टी व देखभाल क्षेत्र मे मामूर थे कि जरिये मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर मु0अ0सं0- 196/20, धारा-304,323,452,504 भा0द0वि0 के वांछित अभियुक्त गण को एसबीआई बैंक परतावल कसानगंज रोड से समय करीब 09ः10 बजे कारण गिरफ्तारी बताते हुये पुलिस हिरासत में लिया गया व अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय चालान किया गया।

केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के हित के खिलाफ सबसे बड़ा विश्वासघात हैं संसद में पारित किया गया नया कृषि कानूनः अजय कुमार लल्लू

➲ कार्पोरेट खेती को बढ़ावा और पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए लाया गया है नया कानून- अजय कुमार लल्लू ➲ नये कानून में एम.एस.पी. का जिक्र न होना किसानों के साथ सबसे बड़ा धोखाः अजय कुमार लल्लू ➲ आवश्यक वस्तु अधिनियम से अनाज, दालें, खाद्य तेल, आलू, प्याज जैसी चीजों को सूची से बाहर निकालना कालाबाजारी करने की खुली छूट- अजय कुमार लल्लू ➲ किसानों के हित के लिए सदन से सड़क तक लड़ाई लड़कर इस काले कानून का अंत करायेगी कांग्रेस- अजय कुमार लल्लू ➲ 25 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक इस काले कानून के विरूद्ध कांग्रेस प्रदेशव्यापी आन्दोलन और जनअभियान चलायेगी- अजय कुमार लल्लू ➲ 28 सितम्बर को कांग्रेसजन किसानों के साथ विधानसभा का करेंगे घेराव- अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। देश के संसद में बगैर बहस कराये, बिना मत विभाजन को स्वीकार किये तानाशाहीपूर्ण तरीके से किसान विरोधी पारित किये गये तीन कृषि कानून 1.कृषि उपज, व्यापार और वाणिज्य विधेयक 2.मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवाओं पर किसान समझौता 3. आवश्यक वस्तु संशोधन विधेयक(अनाज, दालें, खाद्य तेल, आलू, प्याज यह अनिवार्य वस्तु नहीं मानी जाएगी।) सब बाजार के हवाले करना किसानों के हितों के खिलाफ सबसे बड़ा विश्वासघात है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय कुमार लल्लू ने आज प्रेसवार्ता में कहा कि उपरोक्त तीनों नये कृषि कानूनों में एम0एस0सी0 का जिक्र न किये जाने से -सरकारी अनाज मंडिया सब्जी तथा फल मंडिया समाप्त हो जायेंगीं जिसकी वजह से किसान पूंजीपतियों द्वारा तय किये गये मूल्य पर अपने उत्पादित फसल को बेंचने के लिए बाध्य हो जाएगा। अनाज मण्डी, सब्जी व फल मण्डी खत्म करने से कृषि उपज व्यवस्था पूरी तरीके से नष्ट हो जाएगी और पूंजीपतियों को फायदा होगा। क्योंकि मण्डियां किसान की फसल के सही वजन और सही मूल्य पर बिक्री की गारंटी होती है। कांग्रेस पार्टी की मांग है कि एक देश-एक समर्थन मूल्य के तहत पूरे प्रदेश में सारी फसलों अनाज, फल, सब्जी तीनों चीजों के पूरे देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य तय होना चाहिए तथा नये कानून में एमएसपी का जिक्र किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि नये कानून के तहत किसान के किसी भी उपज की खरीद एमएसपी से नीचे नहीं होनी चाहिए। नये कानून में कृषि उत्पाद का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का जिक्र न होना इस बात की तरफ इशारा करता है कि सरकार ने कृषि व्यवस्था को पूरी तरह से कार्पोरेट और पूंजीपतियों के हवाले कर दिया है। इससे देश की कृषि व्यवस्था जिसमें 86.4 प्रतिशत किसान जिसकी जोत 2 एकड़ से कम है वह नई प्रतिस्पर्धात्मक व्यवस्था से बाहर हो जायेगा और किसान अधिकार विहीन हो जाएगा उसकी हैसियत मात्र एक मजदूर की हो जाएगी।(केवल मेहनत और उत्पादन करे) आवश्यक वस्तु अधिनियम की सूची से अनाज, दालें, खाद्य तेल, आलू, प्याज आदि बुनियादी चीजों को बाहर करने से कारोबारी जमा खोरी करना शुरू कर देंगे, कीमतों में अस्थिरता आ जायेगी और देश में कालाबाजारी बढ़ जाएगी जिसका खामियाजा देश की बेहाल परेशान जनता को भुगतना पड़ेगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा बनाये गये इस काले कानून से जहां एक तरफ हमारे देश और प्रदेश के किसान अधिकारविहीन और बेचारा बनकर रह जायेंगे वहीं एक बहुत बड़ा विभाग मंडी परिषद जिसमें लाखों लोग नौकरी से जुड़े हैं और उनके परिवार का भरण पोषण हो रहा है मंडी परिषद और विपणन समितियों का समापन हो जाएगा जिसमें सेवा दे रहे लाखों लाख कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। मंडी परिषद की आय से ग्राम स्तर तक जो विकास कार्य हो रहे हैं वह बन्द हो जायेंगे। श्री अजय कुमार लल्लू ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश की सरकार तथा भाजपा के नेता यह दुष्प्रचार कर रहे हैं कि नये कानून की तमाम बातें कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल थीं यह पूरी तरह से मिथ्या, भ्रामक और झूठ है। सरकार द्वारा हड़बड़ी में एक महीना पूर्व रबी फसल की घोषित की गयी नई एमएसपी में इतिहास की सबसे कम बढ़ोत्तरी की गयी है। जो मात्र 2.6 प्रतिशत है जबकि इस दौरान उर्वरक, डीजल और जरूरी चीजों के दाम 60 प्रतिशत से ज्यादा बेतहाशा बढ़े हैं। प्रेसवार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इस नये काले कानून के खिलाफ कल 25सितम्बर से 31 अक्टूबर तक व्यापक जनान्दोलन चलाने की घोषणा की। उन्होने कहा कि आज पूरे प्रदेश में इस काले कानून के खिलाफ प्रेसवार्ता की जा रही है। कल 25 सितम्बर को सोशल मीडिया के माध्यम से खेती-किसानी पर हुए इस हमले के खिलाफ कैम्पेन चलाया जाएगा। 28 सितम्बर को कांग्रेसजन आम जनता व किसानों के साथ प्रदेश की विधानसभा का घेराव करेंगे। 02 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं लालबहादुर शास्त्री जी की जयन्ती पर इस काले कानून के खिलाफ ब्लाक मुख्यालयों पर सत्याग्रह करेगी। इसके उपरान्त 31 अक्टूबर तक लगातार कांग्रेस जनों द्वारा इस मुद्दे को लेकर केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार के द्वारा बनाये गये किसान विरोधी कानून के खिलाफ आम जनता के बीच जाकर जनजागरण अभियान चलाकर भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरे को जनता के बीच बेनकाब किया जायेगा। प्रेसवार्ता में अ0भा0 कांग्रेस कमेटी के सचिव श्री धीरज गुर्जर, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री पंकज मलिक एवं उपाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र चैधरी भी मौजूद रहे।

स्कूल खोलने से पहले विचार करें

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के तहत देशभर में 15 लाख स्कूलों को बंद कर दिया गया था. इससे 24 मार्च, 2020 की रात से 24.7 करोड़ बच्चे प्रभावित हुए हैं. शुरुआती 21 दिनों के लॉकडाउन में संक्रमण 2100 प्रतिशत बढ़ गया. आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण का आंकड़ा 536 से बढ़कर 11,487 हो गया. हालांकि, बच्चों को स्कूल जाने से रोककर संक्रमण का फैलाव धीमा कर दिया गया, अन्यथा परिणाम और भी बुरा हो सकता था. लॉकडाउन को हाल-फिलहाल तक बढ़ाया जाता रहा. इसे एक सितंबर से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है. यह ऐसे वक्त में किया जा रहा है, जब दो हफ्तों से भी कम समय में संक्रमण का आंकड़ा 10 लाख के पार पहुंच रहा है. शुरुआत और अंत के समय के गलत चयन को कोई कैसे भूल सकता है? स्कूल कब खुलने चाहिए? 29 अगस्त को जारी अनलॉक-4 के अनुसार, एक अक्तूबर से स्कूल खुल सकते हैं. राज्य सरकारें असमंजस में हैं कि संक्रमण अब भी तेजी से फैल रहा है, क्या स्कूल खुलने चाहिए? लॉकडाउन जारी रखने से बच्चों को नुकसान और दूसरी ओर स्कूल दोबारा खुलने से सामाजिक स्तर पर बड़ा नुकसान, हमें इन दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा. अगर स्कूल बिना तैयारी के खुलते हैं, तो यह भी मानकर चलना चाहिए कि इससे बच्चों को भी नुकसान है. इस लिहाज से हमें मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और महामारी रोग विज्ञान को गहराई से समझना होगा. आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए अनलॉक जरूरी है, लेकिन स्कूलों को खोलने के फैसले को आर्थिक अनिवार्यता से अलग नहीं देखा जा सकता है? एक अनुमान के मुताबिक, केवल 12.5 प्रतिशत परिवारों के पास इंटरनेट की सुविधा है. जब तक सभी बच्चों को साधन और कनेक्टिविटी नहीं मिल जाती, तब तक ऑनलाइन कक्षाएं विकल्प नहीं बन सकतीं. बिना कक्षा के बच्चों में तनाव और अवसाद बढ़ेगा, पढ़ाई में पिछड़ने और भविष्य को लेकर असुरक्षा की भावना बढ़ेगी, साथ ही सहपाठियों से मेलजोल नहीं होने से भावनात्मक नुकसान होगा. भोजन की कमी से गरीब बच्चों में कुपोषण और शारीरिक गतिविधियां नहीं होने से धनी बच्चों में मोटापा भविष्य में स्वास्थ्य पर असर डालेगा. यूनिसेफ का अनुमान है कि स्वास्थ्य सेवाओं के बाधित होने से भारत में अगले छह महीने में तीन लाख बच्चों की मौत हो जायेगी. इसमें पूर्व-स्कूली शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी में शामिल 2.8 करोड़ बच्चे भी प्रभावित होंगे. स्कूलों में अक्षम और व्यक्तिगत देखभाल पर निर्भर बच्चे लाचार हैं. कुछ परिवार, बच्चों और माता-पिता के साथ घर में सहज नहीं होते, जिससे हिंसा और दुर्व्यवहार होता है. इसका असर शरीर और मन दोनों पर होता है. कार्यस्थल या स्कूल से सामाजिक संपर्क टूट जाने से हर कोई मानसिक तनाव की स्थिति में है. अगर लंबे समय तक स्कूल बंद रहते हैं, तो बाल श्रम, बच्चों का अवैध व्यापार और बाल विवाह की संभावना रहेगी. स्कूलों को जल्दी खोलने के ये कुछ अहम कारण हैं. फिर महामारी का क्या? यह निश्चित है कि बच्चे स्कूल बसों, सड़कों और स्कूल परिसर में संक्रमित होंगे. अमेरिका में स्कूल खोलने के चार हफ्ते के भीतर बच्चों के संक्रमण में 90 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई. बच्चों का संक्रमण परिवारों में फैलेगा. मैसाच्युसेट्स जनरल हॉस्पिटल के अध्ययन में बच्चों में उच्च संक्रमण पाया गया, भले ही वे किसी भी उम्र के हों. अगर स्कूल खुलते हैं तो संक्रमण और मौतों में तेजी का अनुमान लगाया जा सकता है. जाहिर है, इस दुविधा में स्कूल खोलना है या नहीं. यदि हम पहले ही तैयारी कर लिए होते, तो आज स्कूलों को सुरक्षित तरीके से खोल सकते थे. स्कूलों के मौजूदा ढांचे को पूर्ण रूप से बदलने की जरूरत है, खासकर हवादार और खुली खिड़कियां होनी चाहिए. भीड़ से बचने के लिए दो से तीन पालियों की व्यवस्था हो और शिक्षक भी इसके लिए तैयार हों.

पर्याप्त जलापूर्ति, हैंड सैनिटाइजर, मास्क और साबुन की सुविधा हो. स्टाफ की तैयारी, फर्श और सामानों की नियमित सफाई, कफ और खांसी के दौरान बचाव, मास्क के प्रति जागरूकता हेतु पोस्टर आदि जरूरी हैं. पचास वर्ष से अधिक आयु वाले स्टाफ, जिन्हें कोई समस्या हो, उन्हें बचाने की जरूरत है. बच्चों के साथ कक्षाओं में उनका संपर्क न हो. अगर किसी को कोविड की संभावना है, तो आसानी से उसकी जांच हो. सहायक स्टाफ, बस ड्राइवर और अटेंडर को भी महामारी से बचाव की पूरी जानकारी होनी चाहिए. सार्वजनिक वाहनों का इस्तेमाल करनेवाले बच्चों को सुरक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षण की जरूरत है. क्या सभी स्कूल अक्तूबर से पहले उक्त तैयारी कर लेंगे?

अगर नहीं, तो स्कूल खोलना बुद्धिमानी नहीं होगी और दूसरी योजनाओं पर काम करना होगा. स्कूल खोलने के लिए राज्यों को तभी इजाजत देनी चाहिए, जब वे संक्रमण को खतरे को कम करने के लिए सभी मानदंडों को पूरा करते हों. परिजनों को भी सुरक्षा के बारे में जानकारी दी जाये और बच्चों तथा स्कूलों को सहयोग देने के लिए प्रेरित किया जाये. पांच साल से ऊपर के बच्चों को मास्क पहनने और हाथ की साफ-सफाई सिखाने की आवश्यकता है. स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की तरफ से स्कूलों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश होने चाहिए कि अगर कोविड संक्रमण पाया जाता है, तो पहले क्या करना होगा. सुरक्षित और प्रभावी कोविड वैक्सीन उपलब्ध होने के बाद स्कूली बच्चों की चिंताओं को हल किया जा सकेगा. वैक्सीन के तीसरे चरण के ट्रायल में बच्चों को शामिल नहीं किया गया है. हमारा सुझाव है कि तीसरे फेज में दो खुराक देकर अगर कम-से-कम 1000 वयस्कों पर सुरक्षा और प्रभाव को जांचा गया हो, तो 11 से 17 वर्ष के किशोरों और शिशु से लेकर 10 साल की आयु वाले बच्चों पर अध्ययन शुरू किया जाये. सतर्कता के साथ योजना बनाकर और सावधानीपूर्वक उसे लागू करके, स्कूली शिक्षा को बचाया जा सकता है. स्कूल छूटने और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव की दुविधा में दूसरा विकल्प प्राथमिकता में होना चाहिए.

सम्पादकीय

ड्रैगन के सामने निडर ताइवान

वैसे तो अपनी हर भौगोलिक सीमा पर चीन का आक्रामक रुख बना हुआ है, लेकिन ताइवान के खिलाफ उसके तेवर खासतौर से गरम दिख रहे हैं, क्योंकि हाल के हफ्तों में उसने अमेरिका के कई वरिष्ठ मंत्रियों का अपने यहां स्वागत किया है। स्थिति यह है कि जिस दिन अमेरिका के आर्थिक मामलों के अवर मंत्री कीथ क्राच राजधानी ताइपे पहुंचे, उसी दिन चीन ने अपने युद्धक विमान फिर से ताइवान की सीमा में भेजे, जिनको खदेड़ना ताइपे की मजबूरी हो गई। क्राच पिछले चार दशकों में ताइवान का दौरा करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं। अपनी नाराजगी दिखाने के लिए चीन ने ताइवान जलडमरूमध्य के पास सैन्य अभ्यास की घोषणा तक कर दी। मानो ताइवान को निशाना बनाना ही काफी नहीं था, चीन की वायु सेना ने परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम एच-6 बमवर्षक विमानों का एक वीडियो भी जारी किया, जो अमेरिकी प्रशांत द्वीप गुआम के एंडरसन एयरफोर्स बेस की तरह दिखने वाले किसी जगह पर नकली हमले कर रहे थे। चीन का मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने भी अपनी शैली में हमले किए और लिखा, 'ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन अमेरिका के वरिष्ठ विदेश अधिकारी के साथ डिनर करके आग से खेल रही हैं। अगर उकसावे की उनकी किसी हरकत से चीन के 'एंटी-सिसेशन' यानी उससे अलग न होने वाले कानून का उल्लंघन होता है, तो जंग छिड़ जाएगी और फिर वेन को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी'। चीनी विदेश मंत्रालय का भी बयान आया कि ताइवान जलडमरूमध्य में विभाजक-रेखा नहीं है, क्योंकि वह चीन का अभिन्न हिस्सा है। हालांकि, ऐसा नहीं लगता है कि इन सबसे ताइवान की राष्ट्रपति की अमेरिका के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने की योजना पर कोई खास असर पड़ा है। उन्हें यह 'भरोसा है कि इंडो-पैसिफिक यानी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, समृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के लिए ताइवान और अमेरिका मिलकर काम करना जारी रखेंगे, जिनका इस क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा'। ताइपे ने बीजिंग को यह चेतावनी भी दी है कि उसकी सेना को आत्मरक्षा व जवाबी हमले का अधिकार है, हालांकि वह न तो उकसावे की कोई कार्रवाई करती है और न ही तनाव बढ़ाने की वजह बनती है। चीन लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था वाले ताइवान पर अपना दावा हमेशा से जताता रहा है। इसके लिए सेना के इस्तेमाल से भी न हिचकने की बात उसने कही है। मगर हाल के वर्षों में उसकी पकड़ कमजोर हुई है, और लगता है कि हांगकांग की दुर्दशा देखकर ताइवान नहीं चाहता कि वह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन रहे। उधर, ट्रंप प्रशासन भी विभिन्न रास्तों से ताइवान की ओर हाथ बढ़ाता दिख रहा है। क्राच से पहले, अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री एलेक्स अजार ताइवान जा चुके हैं, जिनकी यात्रा इन खबरों के बीच हुई थी कि अमेरिका ताइवान को कई मारक हथियार बेचने जा रहा है, जो हाल के वर्षों का सबसे बड़ा सौदा है। इन हथियारों में लंबी दूरी की मिसाइलें भी शामिल हैं, जिनसे संघर्ष के समय में ताइवानी जेट चीनी विमानों को निशाना बना सकें। अभी पिछले साल ही वाशिंगटन ने ताइवान को आठ अरब डॉलर के 66 एफ-16 जेट विमान बेचने की घोषणा की थी। ताइवान की सेना भी हथियारों की ऐसी आधुनिक प्रणाली चाहती है, जो बीजिंग के साथ होने वाली शांति-वार्ताओं में उसे फायदा पहुंचाए। ताइवान और चीन के परस्पर-अनुबंध संबंधी मुद्दे पर भी ट्रंप प्रशासन ने काफी कड़ा रुख अपनाया है। इसके अलावा कई अन्य मसलों पर तनातनी की वजह से भी बीजिंग और वाशिंगटन के रिश्ते सुर्खियों में बने हुए हैं। ट्रंप अमेरिकी चुनाव में एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में भी प्रचार कर रहे हैं, जो चीन के खिलाफ काफी सख्त रहा है और व्यापार, प्रौद्योगिकी व भू-राजनीतिक मुद्दों पर बीजिंग के साथ अत्यधिक असमान रिश्ते को सख्त तेवर के साथ संतुलित करने में सफल साबित हुआ है। मगर सच यह भी है कि ताइवान के मुद्दे पर अमेरिकी कांग्रेस में दोनों दल एक हैं, और ऐसी कोई संभावना नहीं है कि जो बिडेन की सरकार (जिसके सत्ता में आने का अनुमान लगाया जा रहा है) ताइपे के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को कोई कम कर देगी। कोविड-19 महामारी का जिस तरह से ताइवान ने मुकाबला किया है, उसके लिए भी उसकी दुनिया भर में तारीफ हो रही है। उसने यह सफलता तब हासिल की है, जब चीन ने महामारी के बारे में शुरू में कुछ नहीं बताया और न ही इसे थामने की दिशा में पर्याप्त कदम उठाए। इतना ही नहीं, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां चीन का कद घट रहा है, वहीं ताइवान का बढ़ने लगा है। कई देशों ने 'एक चीन' नीति पर इसलिए हामी भरी थी, क्योंकि वे बीजिंग की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहते थे, लेकिन अब वे भी अपने फैसले की समीक्षा करने लगे हैं। साफ है, आज आक्रामक चीन की तुलना में ताइवान कहीं ज्यादा जिम्मेदार मुल्क का प्रतीक बन गया है। भारत भी चीन से साथ अपने रिश्ते को फिर से गढ़ना चाहता है।

दंगों के षड़यंत्र केस में येचुरी को लपेटने का अर्थ

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी के आखिर में हुए दंगों के सिलसिले में शासन यानी मोदी-शाह की पुलिस के मुख्य केस का बृहस्पतिवार, 17 सितंबर को अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने संज्ञान ले लिया। षड़यंत्र केस में फिलहाल दमनात्मक यूएपीए तथा अन्य कानूनों के प्रावधानों के तहत, जेएनयू की शोध छात्राओं नताशा नरवाल तथा देवांगना कालिता और जामिया के छात्रों व पूर्व छात्रों खालिद सैफी, गुलफिशां, शफा उल रहमान, मीरान हैदर, सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तन्हा आदि समेत 15 लोगों के नाम शामिल हैं।

पंद्रह में एक नाम, आप पार्टी के पार्षद, ताहिर हुसैन का भी है। वैसे इसी षड़यंत्र केस के सिलसिले में, यूएपीए के तहत ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए, जेएनयू के पूर्व-छात्र उमर खालिद तथा शर्जिल इमाम के नाम, फिलहाल इस चार्जशीट में शामिल नहीं किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि ये नाम पूरक चार्जशीट में जोड़े जाएंगे। दंगे के छरू महीने से ज्यादा गुजर जाने के बाद दायर की गई चार्जशीट में भी पहले से पूरक जोड़े जाने की जगह रखी गई हैय इससे इस पूरे मामले के प्रति दिल्ली पुलिस की श्शंभीरताश्श् का तो कुछ अंदाजा लगाया ही जा सकता है। इसके साथ ही कुछ अंदाजा इसका भी लगाया जा सकता है कि सीएएविरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफषड़यंत्र का सरासर झूठा केस गढ़ने में, सीधे अमित शाह के मातहत काम कर रही दिल्ली पुलिस को, कितनी मेहनत करनी पड़ रही है। यह मेहनत चक्का जाम को बड़े पैमाने पर हिंसा का और सीएएविरोध को सांप्रदायिक हिंसा के लिए उकसावे का समानार्थी बनाने के पुलिसिया कमालों के ऊपर से है। याद रहे कि इसी षड़यंत्र केस से जुड़ी एक पूरक चार्जशीट में, कालिता, नरवाल तथा सफूरा जरगर के कथित बयानों के आधार पर, जिन पर उनके दस्तखत तक नहीं हैं, पुलिस ने सीपीआई (एम) महासचिव, सीताराम येचुरी समेत, आधा दर्जन जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों तथा कलाकारों के नाम, षड़यंत्र के मददगारों के रूप में लिए हैं। बेशक, इस पर ज्यादा शोर मचने पर, पुलिस की ओर से यह सफाई दी गई कि येचुरी और अन्य को कोई आरोपित नहीं किया गया है और पूरक चार्जशीट में उनका नाम सिर्फ आरोपियों के कथन संदर्भ में रखा गया है। पुलिस सिर्फ ऐसे बयान आधार नहीं बल्कि स्वतंत्र छानबीन के आधार पर ही कार्रवाई करती है! इस तरह शाह की पुलिस ने इसका संकेत तो दिया कि वह फिलहाल येचुरी आदि पर हाथ नहीं डालने जा रही है, लेकिन इसके साथ ही उसने यह भी जोड़ दिया कि वह आगे क्या करेगी, यह अभी नहीं बताएगी? स्वाभाविक रूप से इस पर व्यापक और तीखी प्रतिक्रिया हुई है। दिल्ली के दंगों की जांच के नाम पर, अमित शाह के आधीन दिल्ली पुलिस खुलेआम सांप्रदायिक पक्षपात का खेल खेल रही है, जिसमें पुलिस की अपनी सांप्रदायिक भूमिका पर पर्दा डालना भी शामिल है। इसके ऊपर से एक ओर तो पूरी तरह से शांतिपूर्ण तथा संवैधानिक दायरे में चलाये गए सीएएविरोधी सत्याग्रह से जुड़े प्रमुख नामों को श्सांप्रदायिक हिंसा के षड़यंत्रश्श् के साथ जोड़ने के जरिए, दिल्ली में सीएएविरोधी सत्याग्रह के शाहीनबाग से शुरू हुए सिलसिले को ही बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी और दूसरी ओर कपिल मिश्रा जैसे भाजपा नेताओं की सीएएविरोधी सत्याग्रह के विरोध के नाम पर, सांप्रदायिक हिंसा भड़काने की प्रत्यक्ष कोशिशों और अनुराग ठाकुर, प्रवेश वर्मा तथा खुद अमित शाह के भी, शाहीनबाग सत्याग्रह के विरोध के नाम पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने पर, पर्दा डालने की कोशिश की जा रही थी। इसकी पहले ही व्यापक रूप से आलोचना हो रही थी।

यह खेल इतनी नंगई से हो रहा था कि अनेक पूर्व-आईपीएस अफसरों ने, जिनमें भारतीय पुलिस अधिकारियों में लीजेंड बन चुके जूलियस रिबेरो का नाम भी शामिल है, पुलिस की इस जांच की निष्पक्षता तथा विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठाए थे। बहरहाल, येचुरी व अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं व बुद्धिजीवियों के नाम भी इस खेल में शामिल कर लिए जाने पर, संसद से लेकर सड़क तक विरोध शुरू हो गया। इसी के हिस्से के तौर पर दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों व कांग्रेस समेत, पांच राजनीतिक पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं ने, बृहस्पतिवार को ही राष्ट्रपति से मुलाकात कर, व्यापक विपक्ष की ओर से दिल्ली के दंगों की जांच पर सवाल उठाए और उनसे स्वतंत्र न्यायिक जांच का आदेश करने का आग्रह किया, ताकि लोगों को न्याय मिलने का भरोसा हो सके। विपक्ष की ओर से राष्ट्रपति को दिए गए ज्ञापन में जहां इसकी ओर ध्यान खींचा गया कि दिल्ली पुलिस का गढ़ा हुआ श्षड़यंत्र सिद्धांतश्श् अब राजनीतिक नेताओं तथा अन्य जाने-माने बुद्धिजीवियों को इस झूठ में लपेटने के स्तर तक पहुंच गया है, वहीं यह भी याद दिलाया गया कि यह पूरी की पूरी जांच ही, एक पहले से बनी-बनाई थ्योरी को सच साबित करने का उद्देश्य लेकर चल रही है, जो खुद गृहमंत्री ने मार्च में ही लोकसभा में पेश कर दी थी, जबकि दंगों की जांच शुरू भी नहीं हुई थी।बहरहाल, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के दंगों की पुलिस की जांच की विश्वसनीयता पर उठते सवालों के संदर्भ में, एक सवाल और पूछा जा रहा है कि येचुरी व अन्य के इस मामले में घसीटे जाने का क्या अर्थ है? बेशक, तीव्र विरोध के सामने प्रकटतरू पुलिस ने इस मामले में अपने पांव यह कहकर पीछे खींच लिए हैं कि अब तक जिस रूप में इनके नाम लिए गए हैं, वह किसी कार्रवाई का संकेतक नहीं है।लेकिन, इससे कम से कम यह मानने के लिए कोई तैयार नहीं होगा कि यह दिल्ली पुलिस के संबंधित अधिकारियों के अति-उत्साह में अनजाने में सीमा लांघ जाने का मामला हो सकता है, जिससे अब पीछा छुड़ाने की कोशिश की जा रही है। इसे न मान सकने की वजह बहुत सरल है। यह पूरा प्रकरण वैसे भी राजनीतिक रूप से बहुत संवेदनशील है, जिस पर केंद्रीय गृहमंत्रालय सीधे नजर रखे हुए है। ऐसे मामले में, पुलिस अधिकारी शीर्ष से हरी झंडी के बिना कुछ भी नहीं करेंगे। फिर श्बिग बॉसश् की मर्जी के वगैरह, ऐसे प्रकटतः राजनीतिक कदम उठाने का तो सवाल ही कहां उठता है, जिनका विवादित होना तय हो। हां! अगर नेतृत्व ही विवाद में अवसर देख रहा हो, तो बात दूसरी है। वास्तव में ज्यादा संभावना इसके एक आजमाइश या प्रयोग होने की ही लगती है। मोदी-शाह निजाम में बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा मौजूदा हालात पर असहमति व विरोध की आवाज उठाने वालों को जिस तरह शत्रु बनाकर, बराबर निशाने पर रखा गया है वह सभी ने देखा है। इस मुहिम में प्रत्यक्ष शारीरिक तथा शासन की ओर से कानूनी हमले के दायरे में सबसे पहले, जेएनयू तथा अन्य विश्वविद्यालयों के विशेष रूप से वामपंथी विचार के और आम तौर पर वंचितों के पक्ष में आवाज उठाने वाले छात्र नेताओं व शिक्षकों को खींचा गया। इसके बाद, अर्बन नक्सल या बौद्धिक माओवादीश् करार देकर आदिवासियों, दलितों, अल्पसंख्यकों के हितों तथा आमतौर पर मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं व बुद्धिजीवियों को बदनाम करने के बाद, श्भीमा-कोरेगांवश् की दलितविरोधी हमले की घटना को अवसर बनाते हुए, कानूनी हमले की जद में खींच लिया गया। और अब, सीएएविरोधी जन-उभार के बीच से उभरे विशेष रूप से युवा, अल्पसंख्यक, महिला-पुरुष नेताओं को यूएपीए आदि की दमन की चक्की में पीसने के बाद, शासन के इस सीधे कानूनी हमले के दायरे को फैलाकर, राजनीतिक पार्टियों को भी इसमें समेटने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल कदम भले ही पीछे खींच लिए गए हों, अगले चक्र में और आगे तक जाएंगे। मोदी-शाह सरकार की दिशा यही है।

यह संयोग नहीं है कि हमले के इस वृत्त के मुख्यधारा की राजनीतिक पार्टियों तक विस्तार की शुरूआत, देश की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी, सीपीएम के महासचिव से हुई है। गोलवलकर ने बहुत पहले जो श्आंतरिक शत्रुश् गिनाए थे, उनमें मुसलमानों और ईसाइयों के बाद, तीसरा नाम कम्युनिस्टों का ही था। श्शहरी नक्सलश्, श्बौद्धिक माओवादीश् जैसे संबोधनों से, कम्युनिस्टों और आतंकवाद या हिंसा को समानार्थी बनाने के बाद, इस श्आंतरिक शत्रुश् के खिलाफ संघ-शासन का युद्ध छेड़ना कोई बहुत मुश्किल नहीं रह जाता है। और यह युद्ध छेड़ना इसलिए और भी जरूरी है कि यही राजनीतिक धारा है, जो जनता के प्रचंड बहुमत के वास्तविक हितों के सवालों को लगातार उठाते रहने के जरिए, मुख्यधारा की राजनीति के प्रवाह को मौजूदा सरकार की कार्पोरेटपरस्त और जनविरोधी नीतियों के विरोध की ओर झुका सकती है। यह मुख्यधारा की राजनीति को राजनीतिक-विचारधारात्मक रूप से निरस्त्र करने का मामला है। इसीलिए, भले ही फिलहाल पुलिस कार्रवाई रुकी हुई हो, कदम तो आगे बढ़ा दिया गया है। याद रहे कि इस हमले का दायरा यहीं नहीं रुकेगा। पास्टर निमोलर की प्रसिद्ध कविता की पक्तियां याद कीजिएकृजब वे ट्रेड यूनियनों के लिए नहीं आएध् मैं नहीं बोलाध् मैं नहीं था ट्रेड यूनियन वाला। फिर वे कम्युनिस्टों के लिए आए मैं नहीं बोला...। जब वे मेरे लिए आए, तो कोई नहीं बचा था बोलने को। सब याद रखें, यह सिलसिला तभी रुक सकता है, जब शुरू से सब मिलकर इसे रोकेंगे। राष्ट्रपति से मिलने गए पांच दलों के प्रतिनिधिमंडल से इसका भरोसा होता है कि विपक्ष इस हमले को रोकने के लिए एकजुट होगा। मिलकर लड़ेंगे तभी बचेंगे!

रोजगार सृजन की आवश्यकता

नौ सितंबर को बेरोजगार युवाओं ने बेरोजगारी और निजीकरण के खिलाफ 'नौ बजे, नौ मिनट' का सांकेतिक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था. यह विरोध प्रदर्शन सोशल मीडिया पर भी ट्रेंड कर रहा था. इसके बाद 17 सितंबर को युवाओं ने 'राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस' मनाकर न केवल सोशल मीडिया में बहस छेड़ दी है, बल्कि राजनीतिक गलियारों में भी इसकी चर्चा होने लगी है. इसमें संदेह नहीं कि कोरोना महामारी के कारण देश की अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक गिरावट आयी है. लेकिन, इससे भी इंकार नहीं है कि कोरोना के पहले से ही अर्थव्यवस्था ढलान पर थी और उसे संभाला नहीं गया. अर्थव्यवस्था के गिरने का सीधा असर सामाजिक जीवन पर पड़ता है. कोई भी क्षेत्र या समूह इसके प्रभाव से अछूता नहीं रह सकता. ऐसे में युवाओं और रोजगार सृजन का प्रभावित होना स्वाभाविक है. क्या कोरोना महामारी के कारण ही बेरोजगारी बढ़ी है? कोरोना काल के पहले के आंकड़े बताते हैं कि बेरोजगारी का प्रतिशत लगातार बढ़ा है. अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, दुनियाभर में बेरोजगारी दरों में वृद्धि हुई है. खासकर, दक्षिण एशिया में बड़े पैमाने पर रोजगार दरों में गिरावट आयी है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2019 तक 72 प्रतिशत लोगों के रोजगार पर खतरा मंडरा रहा है. देश के युवा इस खतरे को महसूस कर रहे थे, लेकिन तात्कालिक राजनीतिक परिस्थितियों ने इसे नजरअंदाज किया. 2019 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के घोषणापत्र में रोजगार के मुद्दे को कितना महत्व मिला था, यह सब जानते हैं. हम उन प्रायोजित मीडिया बहसों से भी परिचित हैं, जिनमें सांप्रदायिक और कथित देशभक्ति के शोरगुल के अलावा शायद ही जनता के सरोकार की बातें शामिल थीं. जाहिर है,युवाओं के मुद्दों पर संवेदनशीलता नहीं बरती गयी. नौकरी का सृजन करनेवाले सेक्टर का निजीकरण तेजी से जारी था. कोरोना महामारी भले ही सरकार के लिए 'एक्ट ऑफ गॉड' हो, युवाओं के भविष्य के लिए खतरा बन गयी है. रोजगार के लिए अर्थव्यवस्था का मजबूत होना जरूरी है. लेकिन, बाजार पर टिका रोजगार सामाजिक सुरक्षा नहीं दे सकता. देश में उदारीकरण के बाद अर्थव्यवस्था संभलती हुई दिखी. वैश्वीकरण की प्रक्रियाओं से जुड़ने से रोजगार के नये अवसर मिले, लेकिन ये टिकाऊ नहीं हो सके. जिस विदेशी निवेश के सहारे अर्थव्यवस्था को संभालने और रोजगार सृजन की नीतियों को अपनाया गया था, उसका अलग ही परिणाम दिखने लगा. उदारीकरण की नीतियों से निजीकरण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाने लगा और सार्वजनिक क्षेत्र के जो उपक्रम बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन करते थे, उनकी भागीदारी कम होने लगी. इससे रोजगार सृजन में कमी आने लगी. इन नीतियों ने न केवल विदेशी पूंजी का आयात किया, बल्कि देशी पूंजीपतियों का वैश्विक चरित्र भी निर्मित किया. इसने पूंजी के संकेंद्रण को बढ़ावा दिया. पिछले दशकों से दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में अनेक भारतीय पूंजीपतियों का नाम भी शामिल हो रहा है. कोरोना काल में भी अमीरों की सूची में इनकी रैंकिंग बढ़ी है. लेकिन, इसी अनुपात में रोजगार की दरें भी तेजी से घटी हैं. निजी हाथों में पूंजी के संकेंद्रण ने राज्य के हाथों से रोजगार सृजन की क्षमता छीन ली. सबसे ज्यादा रोजगार देने वाले रेलवे जैसे सेक्टर में भी नियुक्तियां लगभग ठप होने लगीं. उदारीकरण की नीतियों ने रोजगार की प्रकृति को भी बदल दिया. पहले जहां रोजगार का अर्थ सामाजिक सुरक्षा थी, वह विचार ही खत्म हो गया. नौकरियों में स्थायित्व की जगह संविदा और ठेके की व्यवस्था कर दी गयी. धीरे-धीरे शिक्षा, चिकित्सा और पुलिस जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में भी स्थायी नौकरियां खत्म होती गयीं और उसकी जगह अस्थायी नौकरी की व्यवस्था शुरू हो गयी. जैसे पारा शिक्षक, शिक्षा मित्र, स्वास्थ्य मित्र, सहायक पुलिस, जल सहिया आदि. ऐसी नौकरियों में वेतन, भत्ते, एवं अन्य सुविधाओं में भारी कटौती की गयी. इन कर्मियों द्वारा सुविधाओं की मांग किये जाने पर, इन पर लाठीचार्ज किये गये. इस प्रकार श्रम कानूनों को कमजोर कर श्रमिक होने की गरिमा को ठेस पहुंचाना, बेहद दुखद है. केंद्र हो या राज्य दोनों जगह एक जैसी ही स्थिति है. निःसंदेह, युवाओं के लिए यह स्थिति त्रासदपूर्ण है.सरकारों के झूठे आश्वासन ने युवाओं को दुखी किया है. रोजगार के लिए आवेदन मांगना, फिर आवेदन रद्द करना, परीक्षा तिथि व रिजल्ट का इंतजार और अंत में कोर्ट में मामला लटक जाना, ये सारी प्रक्रियाएं कितनी यंत्रणादायी हैं, इसे शायद ही कोई मनोचिकित्सक बता पायेगा. सरकार को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए.रोजगार का राष्ट्रीय कैलेंडर होना चाहिए और स्वरोजगार के लिए स्पष्ट खाका बनाना चाहिए. स्वरोजगार की सरल और पारदर्शी नीतियों द्वारा युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में उनकी क्षमता व अभिरुचि के अनुसार काम उपलब्ध कराया जा सकता है.राष्ट्रीय बेरोजगारी दिवस का ट्रेंड युवाओं के बढ़ते असंतोष को ही प्रदर्शित नहीं करता, यह युवाओं के भविष्य से जुड़े जरूरी प्रश्नों पर बहस की मांग भी करता है. जिनके प्रति हमारा समाज और हमारी राजनीति लगातार असंवेदनशील होती जा रही है.

सार समाचार .....

हमें हर विभाग में बेहतर करना होगा कार्तिक

अबु धाबी एजेंसी। मुंबई इंडियंस के हाथों आईपीएल 13 के पहले मुकाबले में मिली करारी हार के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान दिनेश कार्तिक का कहना है कि टीम को हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। मुंबई ने केकेआर को 196 रन का लक्ष्य दिया था जिसके जवाब में कोलकाता की टीम 20 ओवर में नौ विकेट गंवाकर 146 रन ही बना सकी थी औ मुंबई ने यह मुकाबला 49 रनों से जीत लिया था। कार्तिक ने कहा, मुझे लगता है कि हमें बल्लेबाजी और गेंदबाजी सहित सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत है। ईमानदारी से कहूं तो यह हमारा दिन नहीं था। मैं इसका ज्यादा विश्लेषण नहीं करुंगा लेकिन खिलाड़ियों को समझ आएगा कि उन्हें कहां बेहतर प्रदर्शन करना है।

उन्होंने कहा, पैट कमिंस और इयोन मोर्गन जैसे खिलाड़ियों का चरेंटीन पीरियड हाल ही में खत्म हुआ है और यहां के गर्म वातावरण में ढलने में समय लगेगा। खिलाड़ियों ने प्रयास किए। शीर्ष क्रम में फेरबदल के बारे में कोई चर्चा नहीं की गयी है और अगले मुकाबले से पहले इस बारे में कुछ पता चलेगा।

फ्रेंच ओपन के मुख्य दौर में नहीं पहुंच सके प्रजनेश

पेरिस (जी.एन.एस) भारत के प्रजनेश गनेश्वरन फ्रेंच ओपन के मुख्य दौर में जगह नहीं बना सके हैं। प्रजनेश को पुरुष एकल के चलीफाईंग इवेंट के दूसरे दौर के मुकाबले में आस्ट्रेलिया के एलेक्सजेंडर वुकिच के हाथों हार मिली। बुधवार को दुनिया के नम्बर-141 प्रजनेश 4-6, 6-7 (4) से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रजनेश की हार के साथ इस ग्रैंड स्लैम इवेंट में भारत की पुरुष एकल वर्ग में चुनौती समाप्त हो गई है। इससे पहले भारत के रामकुमार रामनाथन और सुमित नागल को चलीफायर्स के पहले राउंड में हार मिली थी। चलीफायर्स में अब अंकिता रैना के रूप में एकमात्र भारतीय चुनौती बची है, जो महिला एकल मुख्य ड्रॉ के लिए प्रयासरत हैं। अंकिता गुरुवार को दूसरे दौर में जापान की कुरुमी नारा से भिड़ेंगी। अंकिता ने पहले दौर के मुकाबले में सर्बिया की जोवाना जोविक को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया था। फ्रेंच ओपन ग्रैंड स्लैम कैलेंडर का दूसरा ग्रैंड स्लैम इवेंट है। आम तौर पर इसका आयोजन मई-जून में होता है लेकिन इस साल कोरोना के कारण इसका आयोजन सितम्बर-अक्टूबर में होने जा रहा है।

रोहित विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं- सूर्यकुमार यादव

अबुधामी एजेंसी। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा है कि रोहित विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं और वह किसी भी मैदान पर अपना सामान्य खेल खेलते हैं।

रोहित ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 80 रन की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी और सूर्यकुमार (47) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 90 रनों की साझेदारी की थी। इन दोनों बल्लेबाजों को विस्फोटक पारी की बदौलत मुंबई ने केकेआर के सामने 196 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। केकेआर की टीम 20 ओवर में 146 रन ही बना सकी और मुंबई ने यह मुकाबला जीता।

सूर्यकुमार ने कहा, रोहित एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज हैं और उन्हें पता है कि किस मैदान में कैसा प्रदर्शन करना है। वह वानखेड़े में आसानी से बल्लेबाजी करते हैं और ऐसा ही उन्होंने अबु धाबी में किया। यहां बाउंड्री बड़ी होती है लेकिन मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी में कोई बदलाव आया। उन्होंने कहा, रोहित चीजों को काफी सरल रखते हैं और किसी भी स्थिति में अपना सामान्य खेल खेलते हैं। उनके इस तरह के खेल का नतीजा सभी के सामने है।

पिछले 4 मुकाबलों में रॉयल चैलेंजर्स से जीत नहीं सकी किंग्स इलेवन पंजाब

अबुधामी | एजेंसी।

- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 34
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 26
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 144
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 122

आईपीएल के 13वें सीजन का छठवां मैच किंग्स इलेवन पंजाब और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आज दुबई में खेला जाएगा। पिछले 4 मुकाबलों में बेंगलुरु ने पंजाब को शिकस्त दी है। वहीं, दुबई में दोनों टीमों के बीच एक मैच खेला गया, जिसमें पंजाब को जीत मिली थी। इस सीजन में पंजाब ने पहला मुकाबला दिल्ली के खिलाफ खेला, जिसे सुपर ओवर में दिल्ली ने जीता था। वहीं बेंगलुरु ने अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 10 रन से हराया।

पंजाब में गेल, राहुल और मैक्सवेल पर अहम जिम्मेदारी

पंजाब टीम में कप्तान लोकेश राहुल के साथ सबसे अनुभवी दिग्गज वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल के कंधों पर अहम जिम्मेदारी होगी। गेल ने लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा 326 छक्के और सबसे ज्यादा 6 शतक लगाए हैं। बॉलिंग डिपार्टमेंट में टीम के लिए मोहम्मद शमी और शेल्डन कॉटरेल अहम भूमिका में रहेंगे।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर

आरसीबी में विराट कोहली के अलावा एबी डिविलियर्स और एरॉन फिंच जैसे दिग्गज बल्लेबाज हैं। ऑलराउंडर में टीम के पास क्रिस मॉरिस, मोइन अली और वाशिंगटन सुंदर हैं। बॉलिंग डिपार्टमेंट में आरसीबी को युजवेंद्र चहल के अलावा उमेश यादव और नवदीप सैनी मजबूती देते नजर आएंगे। कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा 5412 रन बनाने वाले प्लेयर भी हैं।

युवा खिलाड़ी देवदत्त पडिक्कल और रवि बिश्नोई पर रहेगी नजर

पिछले मैच में आरसीबी ने एरॉन फिंच के साथ युवा प्लेयर देवदत्त पडिक्कल को मौका दिया था। पडिक्कल ने टीम मैनेजमेंट को निराश नहीं किया और डेब्यू मैच में ही उन्होंने शानदार फिफ्टी लगाई। वहीं पंजाब में फिरकी गेंदबाज रवि बिश्नोई पर भी नजरें होंगी, जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ अपने पहले मैच में 4 ओवर में सिर्फ 22 रन देकर एक विकेट लिया था।

इन दो रिकॉर्ड्स पर रहेगी नजर

पंजाब के कप्तान लोकेश राहुल इस मैच में 2 रन बनाते ही आईपीएल में 2 हजार रन पूरे कर लेंगे।

आरसीबी के डेल स्टेन 3 विकेट लेते ही आईपीएल में 100 विकेट लेने वाले 15वें गेंदबाज होंगे।

दोनों टीम के महंगे खिलाड़ी

आरसीबी में कप्तान कोहली सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। टीम उन्हें एक सीजन के 17 करोड़ रुपए देगी। उनके बाद टीम में एबी डिविलियर्स का नाम है, जिन्हें इस सीजन में 11 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं, पंजाब में कप्तान लोकेश राहुल 11 करोड़ और ग्लेन मैक्सवेल 10.75 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं।

हेड-टु-हेड

पंजाब और बेंगलुरु के बीच आईपीएल में बराबरी का मुकाबला रहा है। दोनों के बीच अब तक 24 मुकाबले खेले गए। दोनों ने 12-12 मैच जीते हैं। पिछले दो सीजन में बेंगलुरु के खिलाफ पंजाब जीत नहीं दर्ज कर पाई है।

पिच और मौसम रिपोर्ट

दुबई में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 27 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। इस आईपीएल से पहले यहां हुए पिछले 61 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 55.74 प्रतिशत रहा है। हालांकि इस बार पंजाब और दिल्ली का मैच इसी मैदान पर खेला गया था। जिसमें दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सुपर ओवर में जीत हासिल की थी।

इस मैदान पर हुए कुल टी-20= 61

आईपीएल में आरसीबी का सक्सेस रेट 47.75 प्रतिशत, यह पंजाब से ज्यादा

आईपीएल में आरसीबी का सक्सेस रेट 47.75प्रतिशत है। उसने लीग में अब तक 182 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 87 मैचों में जीत हासिल हुई और 95 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं 4 मैच बेनतीजा रहे। दूसरी ओर पंजाब का पंजाब का सक्सेस रेट 46.04 प्रतिशत है। पंजाब ने अब तक कुल 177 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 82 में जीत और 95 में हार मिली।

बेंगलुरु और पंजाब दोनों ही खिताब नहीं जीत सके

आरसीबी ने 2009 में अनिल कुंबले और 2011 में डेनियल विटोरी की कप्तानी में फाइनल खेला था। 2016 में विराट की कप्तानी में भी टीम फाइनल में पहुंची। लेकिन हर बार टीम की किस्मत खराब ही रही। वहीं पंजाब ने 2014 में फाइनल खेला था। उसे कोलकाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

ब्राजील-बोलीविया फीफा वर्ल्ड कप चलीफायर देखने नहीं जा सकेंगे दर्शक

साओ पाउलो , एजेंसी। अगले महीने यहां के कोरिंथियंस एरेना में होने वाला 2022 फीफा वर्ल्ड कप चलीफायर दौर में ब्राजील का पहला मुकाबला होना है लेकिन इस मुकाबले को देखने के लिए दर्शकों को स्टेडियम में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक साओ पाउलो स्टेट गवर्मेंट ने यह आदेश जारी किया है।

ब्राजीली फुटबाल महासंघ ने ब्राजीली स्वास्थ्य मंत्रालय के सामने प्रस्ताव रखा था कि वह 30 फीसदी क्षमता के साथ स्टेडियम में मुकाबला कराने की अनुमति चाहत है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने उसके इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था और इसी के बाद फुटबाल महासंघ ने यह आदेश पारित किया है।

ब्राजील और बोलीविया का मुकाबला दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े मेट्रोपॉटिन शहर साओ पाउलो में 9 अक्टूबर को खेला जाना है और इसके चार दिन बार उसे लीमा में पेरू के खिलाफ एक और चलीफायर खेलना है।

दक्षिण अमेरिकी वर्ल्ड कप चलीफाइंग टूर्नामेंट की शुरुआत 23 मार्च से होनी था लेकिन पब्लिक हेथ क्राइसिस के कारण इस दो बार टालना पड़ा था। ब्राजील में कोरोना के कारण अमेरिका के बाद सबसे अधिक मौतें हुई हैं।

गोल्फ : जोजो चैम्पियनशिप खिताब बचाने के लिए तैयार हैं टाइगर

नयी दिल्ली , एजेंसी। पूर्व वर्ल्ड नम्बर-1 गोल्फर टाइगर वुड्स 22 से 25 अक्टूबर तक केलीफोर्निया के थाउजेंड ओक्स के शेवुड काउंटी क्लब में शुरू हो रही जोजो चैम्पियनशिप का खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस महीने की शुरुआत में पीजीए टूर और जोजो इंक ने कहा था कि यह टूर्नामेंट इस साल कोरोना के कारण सामने आए लॉस्टिक इश्यू के कारण जापान में नहीं खेला जाएगा और इसे अब शेरवुड काउंटी क्लब में आयोजित किया जाएगा। वुड्स ने अपनी चुनौती की को लेकर कहा, मैं अपना खिताब बचाने को लेकर रोमांचित हूं। यह निराशाजनक है कि इस साल हम जापान में नहीं खेल पा रहे हैं लेकिन शेरवुड काउंटी क्लब में एक शानदार चैम्पियनशिप का आयोजन होगा, इसका मुझे यकीन है। जोजो चैम्पियनशिप में इस साल 78 पेशेवर हिस्सा लेंगे। इनमें 2019-20 के फेडएक्सकप प्वाइंट लिस्ट के गई प्रमुख खिलाड़ी और जापान गोल्फ टूर आर्गेनाइजेशन द्वारा नामति खिलाड़ी शामिल होंगे।

हमने अपनी रणनीति को सही तरह से अंजाम दिया : रोहित

अबुधाबी , एजेंसी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 49 रन से हराने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम ने इस मुकाबले में अपनी रणनीति को सही तरह से अंजाम दिया।

मुंबई ने आईपीएल के अपने दूसरे मुकाबले में केकेआर को 49 रन से हराकर जीत का स्वाद चखा। इस मैच में कप्तान रोहित ने 54 गेंदों पर तीन चौकों और छह छक्कों की मदद से 80 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। रोहित ने कहा, हमने अपनी रणनीति को सही तरह से अंजाम दिया और टीम इस मुकाबले में अच्छी स्थिति में थी। पिच बेहतर थी और ओस भी कम हो रही थी। मैं पुल शॉट खेलने के अवसर ढुंढ़ रहा था और मैंने इसके लिए तैयारी भी की थी। टीम के प्रदर्शन से खुश हूं। मेरे भी सभी शॉट अच्छे थे।

कप्तान ने कहा, मैंने पिछले छह महीने में क्रिकेट नहीं खेला था और मध्य में कुछ समय बिताना चाह रहा था। पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका था लेकिन खुशी है कि इस मुकाबले में लय हासिल कर सका। हमें नहीं पता था कि आईपीएल यूएई में होगा, इसलिए हम वानखेड़े जैसे मैदान के लिए तेज आक्रमण में मजबूती चाहते थे।

रोहित ने कहा, हम ट्रेंट बोल्ट और जेम्स पेटिंसन के साथ ज्यादा नहीं खेले हैं लेकिन यह अच्छा है कि हम बेहतर कर रहे हैं। शायद मैं अंत में थोड़ा थक गया था और यह मेरे लिए एक सीख है। सेट बल्लेबाज को अंत तक टिकना होगा। हमने ऐसा पहले भी देखा है और इस मैच में मैंने ऐसा करने की कोशिश की।

यूएई में मुंबई इंडियंस की पहली जीत

कोहली बोले- फिटनेस के लिए छोले-भटूरे छोड़े

अबुधामी | एजेंसी।

फिट इंडिया मूवमेंट का एक साल पूरा हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कुछ सेलिब्रिटीज से वर्चुअली रूबरू हुए। इनमें टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली भी शामिल थे। कोहली को सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया में सबसे फिट क्रिकेटर्स में से एक माना जाता है। मोदी ने विराट से उनकी फिटनेस पर रोचक बातचीत की। इस दौरान योयो टेस्ट का भी जिक्र हुआ। योयो टेस्ट पर कोहली ने कहा- हम अपना फिटनेस लेवल बढ़ाना चाहते हैं। इसके लिए योयो टेस्ट जरूरी है। मैं भी इसमें फेल हुआ तो सिलेक्शन नहीं हो पाएगा। बातचीत के आखिर में मोदी ने कहा- मैं आपको और अनुष्का को आने वाली शुभ घड़ी के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं। यहां हम आपको बता रहे हैं प्रधानमंत्री के सवाल और कोहली के जवाब।

मोदी- दुबई से समय निकालकर जुड़े। आपका तो नाम ही विराट है। फिटनेस पर क्या कहेंगे?

विराट- मैं भी जिंदगी में ट्रांजिशन से गुजरा। मुझे एक्सपीरियंस मिला कि रुटीन सही नहीं था, क्योंकि खेल काफी आगे बढ़ चुका था। जो सेल्फ रियलाइजेशन की बात थी। मुझे भी लगा कि फिटनेस प्रायोरिटी होनी चाहिए। प्रैक्टिस मिस हो जाए तो खराब नहीं लगता। फिटनेस सेशन मिस हो जाए तो बहुत बुरा लगता है।

योयो टेस्ट की बात करें तो बाकी टीमों से हमारा फिटनेस लेवल कम है। आज टी-20 या वनडे हुआ तो ये तो एक दिन में खत्म हो जाते हैं। टेस्ट क्रिकेट 5 दिन चलता है। इसके लिए ज्यादा फिटनेस जरूरी है। योयो टेस्ट के लिए सबसे पहले मैं ही भागता हूं। अगर इसमें मैं भी फेल हो जाता हूं तो मैं भी सिलेक्ट नहीं हो पाऊंगा।

मोदी- दिल्ली के छोले-भटूरे मिस करते हैं?

विराट- जहां से आता हूं, वहां का खान-पान बहुत असर नहीं डालता। हालांकि, अब फिटनेस के लिए बहुत कुछ बदलना पड़ा। अगर हम फिटनेस को इम्प्रूव नहीं करेंगे तो खेल में पीछे छूटते चले जाएंगे। शरीर और दिमाग दोनों का स्वस्थ रहना जरूरी है। रात को मीठा खाकर बिना कोई एक्टिविटी किए सो गए, ये गलत होता है। दिमाग में ये क्लीयर होना जरूरी है कि आप किसके लिए फिट रहना चाहते हैं? खाने के बीच में समय देना बहुत जरूरी है। हम दिनभर खाते रहते हैं।

पहले रात में 12.30 बजे तक डिनर लेता था।

कोलकाता नाइट राइडर्स बनी पहली ऐसी विरोधी टीम

रोम , एजेंसी। मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच खेले गए आईपीएल-13 के पांचवें मैच में कई रिकॉर्ड बने। कल मुंबई ने कोलकाता पर 20वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ, मुंबई आईपीएल की पहली ऐसी टीम बन गई, जिसने किसी एक टीम के खिलाफ 20 जीत दर्ज किया है। मुंबई ने सबसे ज्यादा कोलकाता पर 20 दर्ज की है। कोलकाता के साथ दूसरे नंबर पर भी मुंबई है। मुंबई ने चेन्नई के खिलाफ 17 जीत दर्ज की है, वहीं कोलकाता ने पंजाब के खिलाफ 17 जीत दर्ज की है। तीसरे नंबर पर भी मुंबई है, मुंबई ने अबतक आरसीबी के खिलाफ 16 जीत दर्ज की है। चेन्नई चौथे नंबर पर है, चेन्नई ने आरसीबी के खिलाफ 15 जीत दर्ज की है।

एक नजर.....

भोजपुरी में रैप करने के बारे में कोई भी नहीं सोच सकता था : मनोज बाजपेयी

अभिनेता मनोज बाजपेयी को नए सिंगल बंबई में का बा में उनके रैपिंग कौशल के लिए सराहा जा रहा है। गाने को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और नेशनल अवॉर्ड विजेता अभिनेता का कहना है कि इसकी सफलता के पीछे का कारण यह है कि गाना मूलभाषा में है और यह प्रवासी मुद्दे से संबंधित है। सभी उम्र के लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहे गीत के बारे में बात करते हुए मनोज ने बताया, यह बहुत ही अनोखा रैपिंग है, क्योंकि यह देसी भाषा में है। कोई भी भोजपुरी में रैप करने के बारे में नहीं सोच सकता था और वह भी उस विषय के बारे में जो प्रचलित है। गाने के लिए फिल्मकार अनुभव सिन्हा के साथ हाथ मिलाने वाले अभिनेता का कहना है कि प्रवासी मुद्दा ऐसा विषय है, जो आज नहीं जन्मा है।

अभिनेता ने कहा, प्रवासी समस्या लंबे समय है। लोग अपने घरों को छोड़कर जिंदगी की तलाश में बड़े शहरों में जा रहे हैं, यह समस्या हमेशा से रही है और इसीलिए लोग गाने को पसंद कर रहे हैं। यह फैक्टर काम कर रहा हैं और यह बहुत अच्छी तरह से एक साथ सामने आया है।

राघव जुयाल ने स्क्रीन पर शैतान बनने की प्रक्रिया का किया खुलासा

अभिनेता व डांसर राघव जुयाल ने वेब सीरीज अभय 2 में विलेन की भूमिका निभाई है। इस निगेटिव रोल को निभाने के लिए उन्होंने कैसे खुद को तैयार किया, इसका उन्होंने खुलासा किया। राघव ने कहा, एक अभिनेता के लिए संदर्भो को देखना बहुत खतरनाक होता है, क्योंकि अभिनय से मतलब किसी के व्यक्तिगत अनुभव से है कि वह उस विशेष क्षण में कैसा महसूस करता है और चरित्र के साथ कितनी सहानुभूति रखता है।

एबीसीडी 2 के अभिनेता ने कहा, मेरे मुताबिक, एक व्यक्ति न केवल शिल्प के बारे में सीखता है, बल्कि अभिनय करते समय वह खुद के बारे में काफी कुछ सीखता और अनुभव करता है। कई बार हम ऐसे रोल निभाते हैं, जिनके बारे में हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा होता है। उदाहरण के लिए, जो चरित्र मैंने निभाया है, वह मुझसे अलग है, ऐसे में मुझे उसके काम और प्रतिक्रियाओं को समझने के लिए एक समानांतर विचार प्रक्रिया रखनी पड़ी।

8 एपिसोड की इस सीरीज में एक इन्वेस्टिगेटिव ऑफिसर के रूप में कुणाल खेमू नजर आते हैं। केन घोष द्वारा निर्देशित यह शो जी5 पर दिखाया जा रहा है।

जब हप्पू की उलटन पलटन ऐक्ट्रेस जहरा सेठजीवाला को देख हंसने लगा फैन

आमतौर पर जब कोई फैन अपने फेवरिट स्टार से मिलता है तो उसका ऑटोग्राफ लेता है, फोटो या सेल्फी खिंचवाता है। लेकिन हप्पू की उलटन पलटन फेम ऐक्ट्रेस ज़हारा सेठजीवाला के साथ तो कुछ ऐसा हुआ कि लोग उन्हें ही घूरकर देखने लगे और एक फैन ठहाके मार-मारकर हंसने लगा। हंसते-हंसते उस फैन का इतना बुरा हाल हो गया कि आंखों से आंसू ही निकल आए।

ज़हरा सेठजीवाला ने हाल ही इस फैन के बारे में बताया। किस्सा याद करते हुए ज़हारा ने कहा, उस वक्त मैं इंदौर में एक मॉल में थी और तभी एक लड़का मेरे पास आया और ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा। मुझे समझ ही नहीं आया कि आखिर हुआ क्या। तभी उसने कहा, आपका राजपाल यादव वाला फेस याद आ गया। क्या मस्त पंडित हो आप। उसने यह बात इतनी ज़ोर से बोली थी कि आसपास मौजूद लोग मुझे घूरकर देखने लगे। वे शायद यह देखकर हैरान थे कि कोई एक लड़की को पंडित बुला रहा है। वह हंसे ही जा रहा था। इतना हंसा कि उसकी आंखों से आंसू निकल आए। ज़हरा ने आगे कहा, कुछ वक्त बाद मैं खुद को भी कंट्रोल नहीं कर पाई और मैं भी उसके साथ ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगी। हम हंस रहे थे और बाकी सब लोग खड़े होकर सोच रहे थे कि कहीं हम पागल तो नहीं हो गए हैं। थोड़ी देर बाद वह शांत हुआ और फिर साथ कुछ तस्वीरें खिंचवाईं।

ज़हरा ने आगे कहा कि उन्हें फैन्स से मिलना बहुत अच्छा लगता है और उनके लिए उनका फीडबैक काफी मायने रखता है। पर वह यह भी नहीं चाहती थीं कि फैन्स से मिलने पर बात सिर्फ फोटो क्लिक करवाने तक ही सीमित हो।

फ्फेशनल फ्रंट की बात करें तो हप्पू की उलटन पलटन में ज़हरा सेठजीवाला हप्पू की दबंग बेटी

टीवी एक्ट्रेस निया शर्मा का हिप हॉप लुक हुआ वायरल

निया शर्मा इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं. वह अकसर अपनी फोटो और वीडियो शेयर कर फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं. निया शर्मा ने हाल ही में धमाकेदार अंदाज में अपना 30वां जन्मदिन मनाया. उनके जन्मदिन के मौके पर फैंस ने उन्हें खूब बधाई संदेश भेजे. निया शर्मा की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है जिसमें वह नियोन और ब्लैक कलर ड्रेस में नजर आ रही हैं. इस फोटो में निया का लुक काफी अलग या यूं कहें हिप-हॉप लुक में नजर आ रही हैं. यह फोटो फैंस को काफी पसंद आ रही है और वह इस पर खूब कमेंट भी कर रहे हैं. आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है जो निया अपनी फोटो की वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं बल्कि वह आए दिन अपनी फोटो और डांस वीडियो की वजह से सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. बता दें कि निया की यह फोटो सोशल मीडिया पर पसंद की जा रही है. शेयर करने के दो घंटे के अंदर ही यह फोटो वायरल होने लगी और अब तक इस पर 1 लाख 40 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं. सिर्फ इतना ही नहीं इस पर सोशल मीडिया यूजर खूब कमेंट भी कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा निया आपका कोई जवाब नहीं वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा शानदार निया. टीवी की नागिन यानी निया शर्मा अपने ग्लैमरस लुक्स और जबरदस्त अंदाज को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. अपने स्टाइल के लिए निया शर्मा एशिया की तीसरी मोस्ट सेक्सी वुमन का खिताब भी पा चुकी हैं. निया की वेब सीरीज ट्विस्टेड का दूसरा सीजन भी हिट रहा था. निया ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो काली (2010-11) से की थी. उन्हें असली पहचान एक हजारों में मेरी बहना है (2011-13) और जमाई राजा (2014-17) से मिली. इसके अलावा एक्ट्रेस खतरों के खिलाड़ी सीजन 8 में नजर आ चुकी हैं.

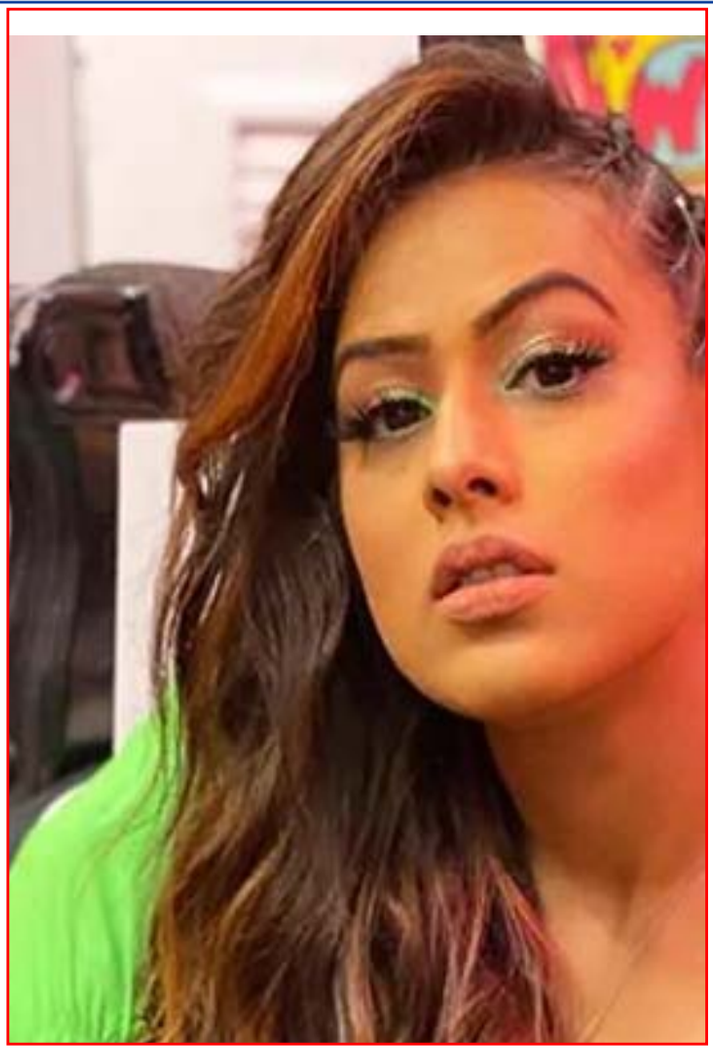

अनुराग कश्यप यौन शोषण मामले में नाम लिए जाने पर भड़कीं हुमा

फिल्मकार अनुराग कश्यप पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली अभिनेत्री पायल घोष द्वारा अभिनेत्री हुमा कुरैशी का नाम लिए जाने के बाद हुमा ने अपना एक बयान जारी किया। पायल ने अपने हालिया एक इंटरव्यू में दो अन्य अभिनेत्रियों संग यह कहते हुए हुमा का नाम लिया था कि ये अभिनेत्रियां अनुराग के इस बुरे काम को अपने आचरण से बढ़ावा देती हैं।

मामले में अपना नाम लिए जाने पर भड़कीं हुमा ने अपने बयान में लिखा, अनुराग और मैंने 2012-13 में आखिरी बार साथ में काम किया है। वह एक बेहद करीबी मित्र और एक बेहद प्रतिभाशाली फिल्मकार हैं। मेरे खुद के अनुभव और जानकारी में अनुराग ने मेरे या किसी और के साथ कोई बुरा बर्ताव नहीं किया है। हुमा आगे लिखती हैं, फिर भी अगर किसी का यह दावा है कि उनके साथ गलत व्यवहार हुआ है, तो उन्हें प्रशासन, पुलिस और अदालत को इसकी सूचना देनी चाहिए। मैं अभी तक इसलिए चुप रही क्योंकि मैं सोशल मीडिया पर बहसबाजी और मीडिया ट्रायल्स पर यकीन नहीं रखती हूं। इस विवाद में मुझे घसीटे जाने से मैं वाकई में बहुत ज्यादा गुस्से में हूं। मुझे न सिर्फ अपने लिए बल्कि उन महिलाओं के लिए भी गुस्सा आ रहा है, जिनकी सालों की कड़ी मेहनत और संघर्षो को ऐसे स्तरहीन आरोपों से कमतर समझा जाता है। हमें ऐसी बातों से बचना चाहिए।

हुमा आखिर में लिखती हैं, मीटू की गंभीरता को बचाए रखने की जिम्मेदारी पुरूष व महिला दोनों की है। यह मेरी आखिरी प्रतिक्रिया है। इस मसले पर कुछ और कहने के लिए मुझसे कृपया संपर्क न करें।

सोनू सूद से लड़की ने दिल्ली पुलिस की कोचिंग के लिए मांगी मदद

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद लगातार जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहे हैं. अनलॉक के दौर में भी उन्होंने खुद को विश्राम नहीं दिया है, बल्कि अभी भी सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाने वाले लोगों का हाथ थाम रहे हैं. सोनू सूद ने अपनी दरियादिली से लोगों के दिलों में बखूबी जगह बना ली है. सोनू सूद से अकसर फैंस ट्वीट करके उनसे मदद की गुहार लगाते है और खास बात तो यह है कि एक्टर लोगों का रिप्लाई भी बखूबी करते हैं. अब फिर से उनसे एक लड़की ने मदद की गुहार लगाई है. लड़की का कहना है कि वो दिल्ली पुलिस में भर्ती होना चाहती है, लेकिन कोचिंग के लिए पैसा नहीं है. सोनू सूद ने भी लड़की के ट्वीट पर जवाब देने में देर नहीं की. लड़की ने ट्वीट करते हुए लिखा था- सोनू सूद सर मैं सोनीपत से हूं. मैंने दिल्ली पुलिस-20 के लिए फॉर्म भरा है. एग्जाम तैयारी के लिए मेरा परिवार आर्थिक मदद नहीं कर पा रही है. कृप्या मेरी मदद करें.÷ सोनू सूद से लड़की ने इस तरह मदद की गुहार लगाई. सोनू सूद ने भी इसका जवाब दिया, जिसपर खूब रिएक्शन भी आ रहे हैं. सोनू सूद ने लिखा- ÷हो गया आपकी कोचिंग का इंतजाम. दिल्ली पुलिस की अच्छी ट्रेनिंग कर देश की सेवा कीजिए. जय हिंद.÷ सोनू सूद ने इस तरह लड़की की मदद करने में जरा भी देर नहीं लगाई. बता दें कि सोनू सूद कोरोना वायरस महामारी के बीच मसीहा साबित हुए थे. उन्होंने कोरोना वायरस जैसी महामारी के बीच लोगों की मदद के लिए अपना हाथ बढ़ाया. सोनू सूद ने महामारी के दौरान शहरों में फंसे दिहाड़ी मजदूरों को सही सलामत उनके घर पहुंचाने के लिए बस और ट्रेन का इंतजाम किया. इसके साथ ही उन्होंने विदेशों में फंसे छात्रों को भी भारत वापस लौटने के लिए प्लेन बुक कराया. इतना ही नहीं, कोरोना वॉरियर्स के लिए सोनू सूद ने जूहू में स्थित अपना होटल भी दान कर दिया था. इसके साथ ही उन्होंने महामारी में लोगों को खाना भी बांटा।

उर्वशी रौतेला ने ठुमका सॉन्ग पर दिखाए जबरदस्त डांसिंग मूव्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला उन एक्ट्रेस में से हैं, जो फिल्मों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर धमाल मचाती हैं. उनके वीडियो आते ही वायरल हो जाते हैं. इन दिनों सेलेब्स के थ्रोबैक वीडियो खूब वायरल हो रहे हैं. इसी कड़ी में उर्वशी रौतेला का एक डांस वीडियो सामने आया है. वीडियो में वो एक्ट्रेस ठुमका सॉन्ग पर जोरदार डांसिंग मूव्स दिखाती नजर आ रही हैं. उर्वशी रौतेला के साथ वीडियो में कोरियोग्राफर आवेज दरबार भी नजर आ रहे हैं. उर्वशी रौतेला के इस वीडियो को यूट्यूब पर अभी तक 75 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है. फैन्स इस वीडियो पर खूब रिएक्शन भी दे रहे हैं. उर्वशी रौतेला को वैसे भी सोशल मीडिया क्वीन कहा जाता है. उनके पोस्ट खूब ध्यान खींचने के लिए जाने जाते हैं. भारी भरकम फैन फॉलोइंग की वजह से उनके तस्वीरें या वीडियो खूब वायरल होते हैं. उर्वशी रौतेला जल्द ही फिल्म वर्जिन भानुप्रिया में नजर आएंगी. उर्वशी रौतेला ने सनी देओल के साथ बॉलीवुड में कदम रखा था. उनकी पहली फिल्म सिंह साहेब द ग्रेट थी, जिसमें उन्होंने सनी देओल की पत्नी का किरदार निभाया था. इसके बाद वे ग्रेट ग्रैंड मस्ती में भी नजर आई थीं. उर्वशी रौतेला ने हेट स्टोरी 4 से भी काफी सुर्खियां बटोरी थीं. वहीं, वर्क फ्रंट की बात करें तो लॉकडाउन से पहले उर्वशी रौतेला का गाना एक डायमंड दा हार लेदे यार रिलीज हुआ था. इस गाने को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया गया था. इससे पहले उर्वशी रौतेला फिल्म पागलपंती में नजर आई थीं. इस फिल्म में उनके साथ पुल्कित सम्राट, अनिल कपूर, जॉन अब्राहम, इलियाना डीक्रूज और कृति खरबंदा मुख्य भूमिका में दिखाई दिये थे. उर्वशी रौतेला 2014 में हनी सिंह के सॉन्ग लव डोज में नजर आई थीं, जिसने उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता दिलाई.

मान्यता दत्त ने संजय दत्त के साथ शेयर की प्यारी सी तस्वीर

संजय दत्त और मान्यता हाल ही में दुबई के ट्रिप पर थे, वजह थी बच्चों शाहरान और इकरा से मुलाकात। मान्यता जो कि सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव हैं, लगातार संजय दत्त के साथ खूबसूरत पलों की तस्वीरें शेयर कर रही हैं। इस बार मान्यता ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें दोनों काफी स्टनिंग दिख रहे हैं।

इस तस्वीर में संजय और मान्यता दोनों कैमरे की तरफ देखते नजर आ रहे हैं। मान्यता यलो प्रिंटेड ड्रेस में काफी जंच रही हैं और संजय ब्लैक टीशर्ट और कार्गो पैंट में बेहद स्मार्ट दिख रहे हैं। अपनी इस तस्वीर को शेयर करते हुए मान्यता ने पॉजिटिव संदेश भी दिया है। उन्होंने लिखा है, और जिसे आपको सहना ही है उसके साथ आप कैसे सर्वाइव करेंगे। आप अपना एक पैर दूसरे पैर के सामने रखिए और चलते रहिए, जिंदगी में साथ-साथ चलिए।

इससे पहले मान्यता ने काफी प्यारी फैमिली पिक शेयर की थी, जो दुबई पहुंचने के बाद बच्चों के साथ उन्होंने ली थी। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा था - इतनी प्यारी फैमिली के लिए ईश्वर का शुक्रिया, कोई शिकायत नहीं है, कोई रिक्वेस्ट नहीं, बस हमेशा साथ रहें।

संजय का 30 सितंबर का मुंबई में रहना जरूरी है क्योंकि इसी दिन लंग कैंसर के ट्रीटमेंट के लिए उनकी तीसरी कीमोथेरपी शुरू होगी। ऐसे में अगर संजय दुबई में अपने स्टे को बढ़ाते नहीं हैं तो आनेवाले 7 या 8 दिनों में वह मुंबई में होंगे। पहली दो कीमोथेरपी की तरह तीसरी भी मुंबई में होगी। पहली कीमोथेरपी साइकल के खत्म होने के बाद डॉ जलील पारकर ने कहा था, अभी तक यह पता नहीं है कि कितनी साइकल्स की जरूरी होगी। कीमोथेरपी आसान नहीं होती

रेड गाउन में सोशल मीडिया पर नोरा फतेही ने ढाया कहर

रेड गाउन में फैंस नोरा की इन तस्वीरों को बहुत पसंद कर रहे हैं और जमकर लाइक और कमेंट्स भी कर रहे हैं। आपको बता दें कि नोरा के इंस्टाग्राम पर 16 मिलियन फॉलोअर्स हैं। नोरा ने बॉलीवुड में कम ही फिल्मों में काम किया है लेकिन अपनी बेहतरीन अदाकारी से उन्होंने फैन्स का दिल जीत लिया। गौरतलब है कि नोरा ने बाहुबली- द बिगिनिंग के मनोहरी, सत्यमेव जयते के दिलबर , बाटला हाउस के ओ साकी साकी, स्त्री के कमरिया, स्ट्रीट डांसर 3 डी के गर्मी सांग में अपनी जबरदस्त परफॉर्मेंस से फैन्स का दिल जीता है।

कसौटी जिंदगी के खत्म करते ही छुट्टी मनाने गोवा पहुंचे पार्थ समथान

एक तरफ जहां फैन्स कसौटी जिंदगी के ऑफ-एयर किए जाने से दुखी हैं, वहीं शो के लीड ऐक्टर पार्थ समथान शूटिंग खत्म करके गोवा छुट्टी मनाने निकल गए हैं। कसौटी जिंदगी के का आखिरी एपिसोड 3 अक्टूबर को टेलिकास्ट किया जाएगा। 18 सितंबर को शो को रैपअप कर दिया गया।

काफी वक्त से सोशल मीडिया से दूरी बनाए हुए पार्थ समथान हाल ही इंस्टाग्राम पर वापस लौटे और उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर गोवा का वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह ब्लैक आउटफिट में गोवा के नजारों का मजा लेते दिख रहे हैं।

बता दें कि पार्थ समथान वापस मुंबई लौटने पर अपने अगले प्रॉजेक्ट में बिजी हो जाएंगे। खबर है कि वह लौटते ही संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की शूटिंग शुरू कर देंगे। इस फिल्म में वह आलिया भट्ट के एक्स-बॉयफ्रेंड के रोल में नजर आएंगे।

हाल ही पार्थ समथान आमना शरीफ की पार्टी में भी दिखे। शो खत्म होने के कारण पूरी कास्ट कोरोना महामारी के कारण रैपअप पार्टी नहीं कर पाई थी, पर कोमोलिका यानी आमना शरीफ ने घर पर पार्टी रखी, जिसमें उन्होंने पार्थ और को-स्टार उदय टिकेकर को इनवाइट किया। पार्टी में करिश्मा तन्ना भी मौजूद थीं।

कभी टीवी की दुनिया से जुड़ना चाहती थीं ऐश्वर्या राय बच्चन, हो गई थीं रिजेक्ट

ऐश्वर्या राय बच्चन आज भले बॉलिवुड की सबसे टैलंटेड और पॉप्युलर ऐक्ट्रेसेस में शुमार हो, लेकिन करियर में स्ट्रगल और रिजेक्शन का दर्द उन्होंने भी झेला है। क्या आपको पता है कि बच्चन परिवार की बहू एक टीवी सीरियल में डबिंग आर्टिस्ट बनना चाहती थीं, लेकिन वह रिजेक्ट हो गईं? जी हां, अपने करियर में ऐश्वर्या को भी रिजेक्शन झेलना पड़ा है। जहां हमने अब तक ऐसी कई खबरें सुनी हैं कि ऐश्वर्या फिल्म से बाहर हो गई हैं या फिर उन्होंने खुद किसी वजह से प्रॉजेक्ट को ठुकरा दिया है, वहीं उनके टीवी रिजेक्शन की खबरें शायद कम लोगों को ही पता हो। बताया जाता है कि ऐश्वर्या तब डबिंग इंडस्ट्री में अपना हाथ आजमाना चाहती थीं और यह बात साल 1994 में मिस वर्ल्ड का खिताब मिलने से पहले की है। जैसा कि कहा जाता है- जब एक दरवाजा बंद होता है तो दूसरा खुलता है और ऐसा ही कुछ ऐश्वर्या के साथ हुआ। इस रिजेक्शन के बाद उन्हें दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला का खिताब मिला। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में एंट्री मारी और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस वक्त ऐश्वर्या अपनी अगली फिल्म नॉटी बिनोदिनी को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में ऐश्वर्या बिनोदिनी दासी के रोल में नजर आनेवाली हैं। डायरेक्टर प्रदीप सरकार कोविड की वजह से इसकी शूटिंग शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड में ड्रग की जांच पर रवीना बोलीं : सफाई का सही समय

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से संबंधित ड्रग एंगल पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अपनी जांच के दायरे को आगे बढ़ा दिया है, जिससे अभिनेत्री रवीना टंडन काफी खुश हैं। रवीना ने ट्विटर पर गुनहगारों के लिए सजा की मांग की है। अभिनेत्री ने ट्वीट करते हुए लिखा, सफाई का वक्त आ गया है। इस कदम का स्वागत करती हूं। इससे हमारी आने वाली पीढ़ी की मदद होगी। शुरुआत यहीं से करें, धीरे-धीरे सभी सेक्टर्स की ओर बढ़ें। इसे जड़ से उखाड़ फेंके। इसका उपयोग करने वाले, डीलर्स/सप्लायर्स सभी दोषियों को सजा दें।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।